मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 8 अंक 188
बुधवार, 21 जनवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

नितिन नबीन ने संभाली बीजेपी की कमान

नई दिल्ली, 20 जनवरी। नितिन नबीन को मंगलवार को औपचारिक रूप से भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित कर दिया गया। उन्होंने जेपी नड्डा का स्थान लिया और पार्टी के लिए एक नए अध्याय की शुरूआत की, क्योंकि पार्टी देश की राजनीति पर अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रही है। भाजपा के संगठनात्मक चुनावों के रिटर्निंग ऑफिसर के. लक्ष्मण ने संगठनात्मक चुनावों के परिणाम घोषित किए और 45 वर्षीय नबीन को चुनाव प्रमाण पत्र सौंपा। वे पार्टी के शीर्ष पद पर आसीन होने वाले अब तक के सबसे युवा अध्यक्ष हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, नड्डा, वरिष्ठ मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी और अन्य कई लोग नेतृत्व परिवर्तन के साक्षी बनने के लिए भाजपा मुख्यालय में उपस्थित थे। नबीन भाजपा के 12वें अध्यक्ष बने, जिसकी स्थापना 1980 में हुई थी, उसी वर्ष उनका जन्म भी हुआ था। सादगीप्रिय और कम चर्चित नबीन ने 14 दिसंबर को भाजपा का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद बिहार सरकार में कानून और न्याय, शहरी विकास और आवास मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था।

राजनीति ऐशो-आराम नहीं, तपस्या है : नितिन नबीन

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा कि मैं आज इस अवसर पर पार्टी के पूर्व के राष्ट्रीय अध्यक्षों का स्मरण करता हूं और उनका अभिवादन करता हूं। आज का क्षण मेरे लिए संकल्प का क्षण है। आज मैं केवल पद ग्रहण नहीं कर रहा हूँ। मैं इस पार्टी की विचारधारा, परंपराओं और राष्ट्रवादी आंदोलन की ज़िम्मेदारी को स्वीकार कर रहा हूँ, और इस अवसर पर मैं अपने सभी वरिष्ठ सहयोगियों को भी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। आज 140 करोड़ भारतीय विकसित भारत के सपने से जुड़ रहे हैं और देश को आगे ले जाने के लिए काम कर रहे हैं। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री जी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ।

अगले कुछ महीनों में तमिलनाडु, असम, बंगाल, केरल और पुडुचेरी में चुनाव होने वाला है और वहां की डेमोग्राफी की चर्चा हो रही है कि किस प्रकार वहां डेमोग्राफी बदल रही है। यह हमारे लिए चुनौती है लेकिन हम पूरी तरह आश्वस्त हैं कि भाजपा का कार्यकर्ता अपने संघर्ष और परिश्रम के बल पर इन पांचों राज्यों में सशक्त भाजपा का नेतृत्व प्रदान करेगा। भाजपा के कार्यकर्ता कुछ नारों को जनसंघ के समय से गढ़ते थे- 'राम लला हम आएंगे मंदिर वहीं बनाएंगे,' 'जहां हुए बलिदान मुखर्जी वह कश्मीर हमारा है', 'एक देश में दो विधान, दो निशान, दो प्रधान नहीं चलेगा।' भाजपा के कार्यकर्ताओं ने वह समय देखा जब अयोध्या में राम मंदिर का मार्ग प्रशस्त हुआ। जम्मू-कश्मीर की जनता ने धारा 370 से मुक्ति का दौर देखा... जब हम श्रीनगर के लाल चौक में तिरंगा लहराते देखते हैं तो गर्व की अनुभूति होती है। हमने वह दौर भी देखा है जब पाकिस्तान के झंडे लहरा रहे थे और दिल्ली की सरकार मौन बैठी थी... जब 370 की समाप्ति हुई तो कश्मीर की फिजा बदली है।

हमारे यहां अध्यक्ष बदलते हैं, लेकिन आदर्श नहीं: पीएम मोदी

नई दिल्ली, 20 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भाजपा मुख्यालय में नितिन नबीन की नई राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति के समारोह के दौरान भाजपा नेताओं और कार्यकताओं को संबोधित किया। वरिष्ठ नेताओं, कार्यकताओं और समर्थकों के इस महत्वपूर्ण अवसर पर एकत्रित होने से वातावरण उत्साह से भरा हुआ था। भाजपा के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नबीन को बधाई देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मैं नितिन नबीन को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी का अध्यक्ष बनने पर बधाई देता हूं। जब पार्टी की बात आती है, तो नितिन नबीन मेरे बॉस हैं और मैं एक पार्टी कार्यकर्ता हूं। उनके इस कथन पर उपस्थित लोगों ने जोरदार तालियां बजाईं।

प्रधानमंत्री मोदी ने देश भर में कई महीनों से चल रही व्यापक आंतरिक चुनाव प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाजपा के संविधान का कड़ाई से पालन करते हुए जमीनी स्तर से लेकर शीर्ष संगठनात्मक पद तक के नेताओं का चुनाव किया जाता है। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया अब औपचारिक रूप से पूरी हो चुकी है और यह पार्टी के मजबूत लोकतांत्रिक मूल्यों, अनुशासन और कार्यकर्ता-प्रथम दर्शन का प्रमाण है। उन्होंने इस प्रक्रिया में शामिल लाखों पार्टी कार्यकताओं के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह भव्य संगठनात्मक चुनाव प्रक्रिया भारतीय जनता पार्टी के लोकतांत्रिक विश्वास, संगठनात्मक अनुशासन और कार्यकर्ता-केंद्रित दृष्टिकोण का प्रतीक है। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे इस बात पर जोर दिया कि भारतीय जनता पार्टी का नेतृत्व मॉडल उसकी विरासत और जनसेवा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता से मजबूत होता है।

उन्होंने कहा इस प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए मैं देश भर के सभी पार्टी कार्यकताओं को हार्दिक बधाई देता हूं... हमारा नेतृत्व परंपरा से प्रेरित है, अनुभव से समृद्ध है और जनसेवा एवं राष्ट्रीय सेवा की भावना से संगठन को आगे बढ़ाता है।

लोकसभा में MPs की 'गैरहाजिरी' पर लगेगी लगाम

नई दिल्ली। संसदीय कार्यवाही में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के उद्देश्य से, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने घोषणा की है कि अब सांसदों की उपस्थिति तभी दर्ज की जाएगी जब वे सदन में अपने निर्धारित सीटों पर शारीरिक रूप से उपस्थित होंगे। यह नया नियम आगामी बजट सत्र से प्रभावी होगा। बिरला ने 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन के दौरान मीडियाकर्मियों से संक्षिप्त बातचीत में यह जानकारी दी। लोकसभा अध्यक्ष ने सूचित किया कि संसद परिसर में सदन कक्ष के बाहर से सदस्यों को उपस्थिति दर्ज करने की पूर्व व्यवस्था को समाप्त किया जा रहा है, जो विधायी कामकाज में गंभीरता और अनुशासन की आवश्यकता को रेखांकित करता है। बिरला ने कहा कि अब उपस्थिति तभी दर्ज की जाएगी जब सदस्य सदन के अंदर बैठे होंगे। पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है। साथ ही, सदन स्थगित होने के बाद कोई भी सदस्य उपस्थिति दर्ज नहीं कर सकता, भले ही यह व्यवधान के कारण हो। इस कदम से सदस्यों को प्रतिदिन कार्यवाही की शुरूआत से सदन में उपस्थित होने के लिए प्रोत्साहन मिलने की संभावना है।

अध्यक्ष ने कहा कि यह निर्णय यह सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है कि उपस्थिति संसद परिसर में मात्र उपस्थिति के बजाय सदन की कार्यवाही में सक्रिय भागीदारी को सटीक रूप से दर्शाए। उपस्थिति को सदन में शारीरिक उपस्थिति से जोड़कर, इस पहल का उद्देश्य सदस्यों को वाद-विवाद और चचाओं के दौरान उपस्थित रहने के लिए प्रोत्साहित करना है।

पीएम मोदी के 'बॉस' वाले बयान पर कांग्रेस का पलटवार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस बयान पर कि नितिन नबीन अब पार्टी मामलों में उनके बॉस हैं को लेकर कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने तंज कसा है। पवन खेड़ा ने कहा कि भाजपा और आरएसएस आपस में खेल खेलते रह सकते हैं। कभी (आरएसएस प्रमुख) मोहन भगवत किसी के बॉस बनते हैं, कभी मोदी किसी के बॉस बनते हैं। उन्होंने लोकप्रिय रियलिटी शो बिग बॉस का जिक्र करते हुए आगे कहा, क्या यहां बिग बॉस का खेल खेला जा रहा है? दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में खेड़ा से इस घटनाक्रम के बारे में पूछा गया, जहां उन्होंने कहा, चुनाव कहां है?

इसे चुनाव क्यों कहते हैं? पहले राष्ट्रपति की घोषणा करते हैं, फिर कहते हैं कि चुनाव होगा, और फिर कोई चुनाव होता ही नहीं। पार्टी के मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने कटाक्ष करते हुए यह भी कहा कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार अब इस्तीफा देना चाहते हैं क्योंकि भाजपा अध्यक्ष के चुनाव में उनकी कोई भूमिका नहीं रही और चुनाव को प्रभावित करने का का मौका भी नहीं मिला।

असम अब एक उभरता हुआ राज्य और उभरती अर्थव्यवस्था है : हिमंता बिस्वा सरमा

दावोस, 20 जनवरी। दावोस में आयोजित 56वें विश्व आर्थिक मंच में असम ने पहली बार भाग लिया और खुद को भारत के सबसे तेजी से विकसित हो रहे राज्य और हरित ऊर्जा, सेमीकंडक्टर और पर्यटन निवेश के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित किया। दावोस में विश्व आर्थिक मंच पर वैश्विक निवेशकों को आकर्षित करते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने उनसे उभरते राज्य और उभरती अर्थव्यवस्था में निवेश करने का आग्रह किया। मंच के दौरान बातचीत में सरमा ने कहा कि असम पहली बार दावोस में विश्व आर्थिक मंच में भाग ले रहा है। हम यह संदेश देना चाहते हैं कि असम अब एक उभरता हुआ राज्य और उभरती अर्थव्यवस्था है। जब आप भारत में निवेश करने के बारे में सोच रहे हों, तो आप असम को एक संभावित गंतव्य के रूप में विचार कर सकते हैं। असम अब आधिकारिक तौर पर देश का सबसे तेजी से विकसित हो रहा राज्य है।

असम पहली बार दावोस विश्व आर्थिक मंच में भाग ले रहा है, जिसका उद्देश्य यह संकेत देना है कि यह भारत के भीतर एक उभरती अर्थव्यवस्था और एक व्यवहार्य निवेश गंतव्य है। आरबीआई के हालिया आंकड़ों के अनुसार, राज्य अब देश में सबसे तेजी से विकसित हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक ने आंकड़े जारी किए हैं, और यह स्पष्ट रूप से स्थापित है कि असम तेजी से विकास कर रहा है, और हम इस मामले में शीर्ष पर हैं। ऐसे कई कारण हैं जिनकी वजह से लोग भारत में निवेश करना चाहेंगे। कल ही, आईएमएफ ने भारत के विकास अनुमान को 7 प्रतिशत से ऊपर संशोधित किया है। भारत के भीतर, मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि लोग विभिन्न राज्यों, विभिन्न क्षेत्रों की ओर रुख करें और उन क्षेत्रों की क्षमता का भी दोहन करें। मुझे लगता है कि असम निवेश के लिए एक अच्छा मंच प्रदान कर सकता है। आईएमएफ ने भारत के विकास अनुमान को 7 प्रतिशत से ऊपर संशोधित किया है।

काबुल चीनी रेस्तरा विस्फोट में 20 की मौत, चीन ने दिखाई सख्ती, तालिबान से मांगी सुरक्षा गारंटी

चीन, 20 जनवरी। चीन ने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार से अपने नागरिकों, परियोजनाओं और संस्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कदम उठाने का मंगलवार को आग्रह किया। यह अपील काबुल में एक चीनी रेस्तरां में हुए घातक विस्फोट के बाद की गई है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, सोमवार को हुए इस विस्फोट में 20 लोगों की मौत हो गई। इस हमले की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट ने ली है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि इस विस्फोट में एक चीनी नागरिक की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हुए हैं।

उन्होंने कहा, जान गंवाने वाले लोगों के प्रति चीन गहरी संवेदना व्यक्त करता है और घायलों के प्रति हार्दिक सहानुभूति प्रकट करता है। गुओ ने बताया कि चीन ने अफगान अधिकारियों के समक्ष तत्काल आपत्ति दर्ज कराई है और उनसे घायलों को बचाने व उनका इलाज सुनिश्चित करने, चीनी नागरिकों, परियोजनाओं और संस्थानों की सुरक्षा करने, हमले की गहन जांच करने तथा दोषियों को शीघ्र न्याय के कटघरे में लाने के लिए हरसंभव प्रयास करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि बीजिंग आतंकवाद के हर रूप की कड़े शब्दों में निंदा करता है और उसका दृढ़ विरोध करता है।

साथ ही, चीन अफगानिस्तान और क्षेत्रीय देशों के साथ मिलकर सभी प्रकार के आतंकवाद और हिंसक गतिविधियों के खिलाफ लड़ाई का समर्थन करता है। अफगानिस्तान में मौजूदा सुरक्षा स्थिति को देखते हुए विदेश मंत्रालय ने एक बार फिर चीनी नागरिकों को निकट भविष्य में वहां की यात्रा नहीं करने की सलाह दी है।

गुओ ने कहा कि जो चीनी नागरिक और कंपनियां पहले से अफगानिस्तान में मौजूद हैं, उनसे अतिरिक्त सतर्कता बरतने, सुरक्षा उपायों को मजबूत करने और जोखिम वाले क्षेत्रों को जल्द से जल्द छोड़ने का आग्रह किया गया है।

करप्शन पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा एक्शन

नई दिल्ली। भ्रष्टाचार-विरोधी एजेंसियों के अधिकार क्षेत्र की सीमाओं को स्पष्ट करते हुए एक महत्वपूर्ण फैसले में सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया है कि राज्य पुलिस प्राधिकरण भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत अपराधों के आरोपी केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ जांच करने और आरोपपत्र दाखिल करने के लिए पूरी तरह से सक्षम हैं। न्यायमूर्ति जेबी परदीवाला और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने इस धारणा को खारिज कर दिया कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के पास ऐसे मामलों पर अनन्य अधिकार क्षेत्र है, और यह स्पष्ट किया कि भ्रष्टाचार-विरोधी ब्यूरो (एसीबी) जैसी राज्य स्तरीय एजेंसियों को कार्रवाई करने के लिए सीबीआई की पूर्व अनुमति की आवश्यकता नहीं है। यह फैसला राजस्थान उच्च न्यायालय के उस फैसले के खिलाफ अपील की सुनवाई के दौरान आया, जिसमें राज्य की एसीबी द्वारा केंद्र सरकार के एक अधिकारी के खिलाफ दर्ज भ्रष्टाचार के मामले को रद्द करने से इनकार कर दिया गया था।

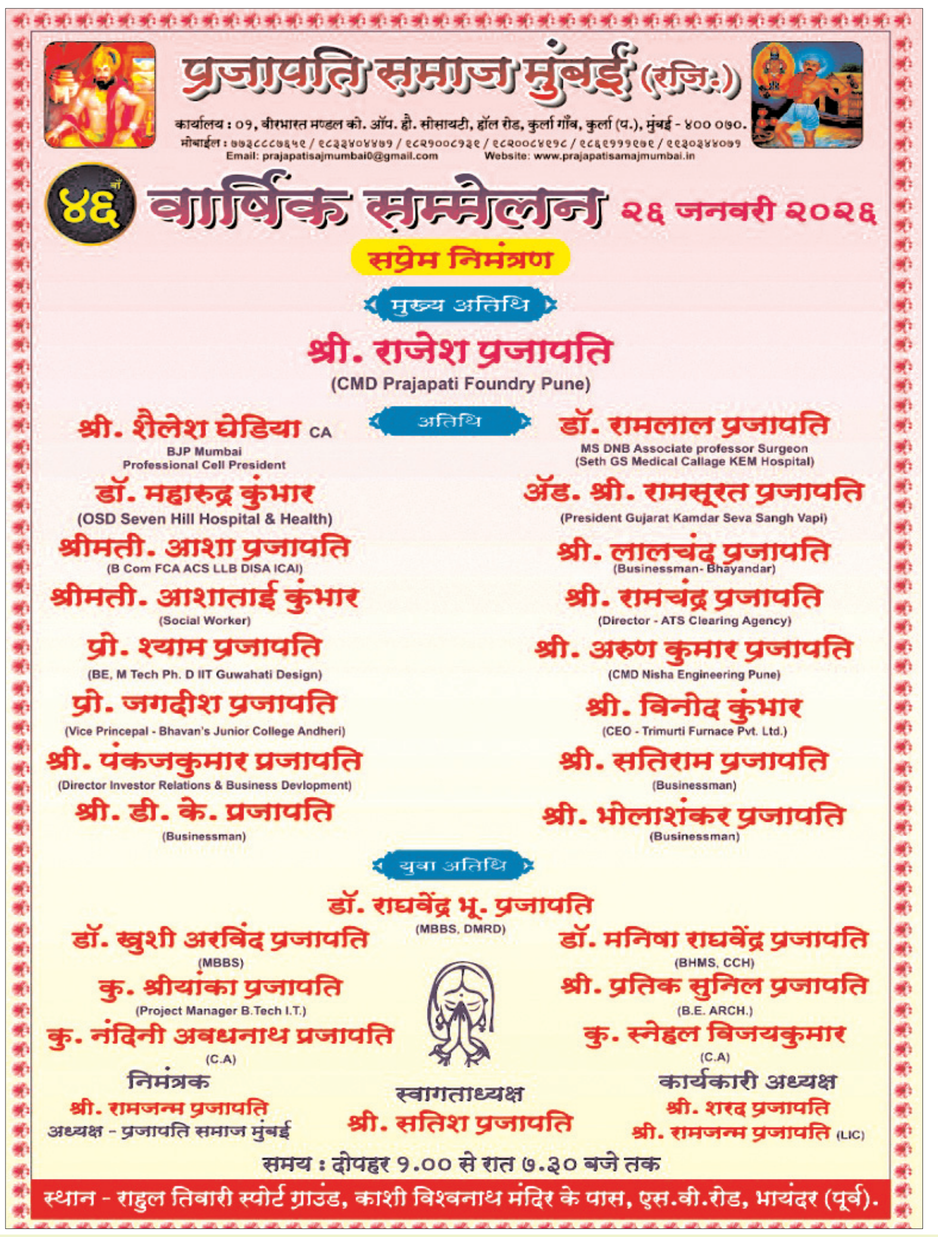

शांति का मुखौटा, सत्ता की रणनीति: ट्रंप का वैश्विक विरोधाभास

-ललित गर्ग

नोबेल शांति पुरस्कार की उत्कट अभिलाषा में डूबे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का व्यक्तित्व और कार्यशैली वैश्विक राजनीति के लिए एक गहरी विडंबना एवं विरोधाभास बनकर उभरी है। शांति का मसीहा बनने का उनका दावा जितना आकर्षक दिखता है, उतना ही विरोधाभासी उनके कदमों का यथार्थ है। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में वे जहां शांति स्थापित करने का श्रेय लेना चाहते हैं, वहीं उनके निर्णय, वक्तव्य और नीतियां अक्सर युद्ध, अशांति, भय और अस्थिरता को जन्म देती दिखाई देती हैं। यह कैसी शांति है, जो बमों की गूंज, प्रतिबंधों की मार और नफरत की भाषा के साथ चलती है? यह कैसा शांति-दूत होने का नाटक है, जिसमें मानवता का रक्त बहता रहे और सत्ता अपने हित साधती रहे? गाजा में शांति स्थापना के लिए ट्रंप की प्रस्तावित योजना इसी विरोधाभास का नवीन उदाहरण है। इसे शांति से अधिक व्यापारिक सौदे की तरह प्रस्तुत किया गया, मानो दशकों से हिंसा, विस्थापन और अस्मिता के संकट से जूझ रहे लोगों का भविष्य किसी रियल एस्टेट या आर्थिक पैकेज से तय किया जा सकता हो। अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका, स्थानीय जनता की सहमति और जवाबदेही-इन सबको दरकिनार कर शांति थोपने की यह कोशिश बताती है कि ट्रंप की दृष्टि में शांति कोई नैतिक या मानवीय मूल्य नहीं, बल्कि शक्ति-प्रदर्शन और राजनीतिक लाभ का औजार है। इस तरह बमों के साये में शांति का दावा डकोसला ही है, जिसमें शांति का सौदा एवं सत्ता की भूख ही दिखती है। ट्रंप की कथित शांति योजना, शांति के नाम पर वर्चस्व की राजनीति ही है। ऐसा लगता है शब्द अहिंसा के और कर्म हिंसा के है। ट्रंप संयुक्त राष्ट्र को अक्षम, पक्षपाती और नौकरशाही से ग्रस्त बताकर उसकी अवहेलना करते रहे हैं, जबकि सच यह है कि वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए बहुपक्षीय संस्थाओं का ढांचा अनिवार्य है। शक्तिशाली देशों को जब यह ढांचा अपने अनुकूल नहीं लगता, तो वे इसे कमजोर करने लगते हैं-ट्रंप इसी प्रवृत्ति का मुखर चेहरा हैं।

डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित नए वैश्विक शांति संस्थान का विचार अपने आप में जितना आकर्षक शब्दों से सुसज्जित है, उतना ही अपने अंतर्विरोधों में उलझा हुआ भी है। शांति स्थापना के नाम पर एक ऐसी अंतरराष्ट्रीय संस्था खड़ी करने की कोशिश, जो संयुक्त राष्ट्र जैसे स्वीकृत बहुपक्षीय ढांचे को दरकिनार करती हो, वस्तुतः शांति से अधिक सत्ता-केंद्रित वर्चस्व की आकांक्षा को उजागर करती है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि जिस नेतृत्व की नीतियों का आधार हथियारों के निर्माण और बिक्री, सैन्य गठबंधनों के विस्तार, युद्ध की धमकियों और

आर्थिक दंड के जरिये दुनिया पर दबाव बनाना रहा हो, वह अचानक शांति का नया ठेकेदार कैसे बन सकता है? ट्रंप की राजनीतिक सोच में शांति किसी मानवीय प्रतिबद्धता का नहीं, बल्कि सौदेबाजी, नियंत्रण और लाभ का साधन प्रतीत होती है। इसलिए उनके प्रस्तावित शांति संस्थान की उपयोगिता पर गंभीर संदेह खड़ा होता है। बिना वैधता, जवाबदेही और वैश्विक सहमति के खड़ी की गई कोई भी संस्था शांति का वाहक नहीं बन सकती; वह केवल शक्तिशाली देशों की इच्छाओं को थोपने का उपकरण या जरिया ही बनती है। इस संदर्भ में ट्रंप का यह प्रयास शांति की दिशा में एक ठोस पहल नहीं, बल्कि हिंसा-प्रधान नीतियों पर पर्दा डालने और वैश्विक शासन व्यवस्था पर अपनी पकड़ मजबूत करने का एक और षड्यंत्र एवं कुचेष्टा ही दिखाई देता है।

ट्रंप की सोच में शांति का अर्थ संघर्षों का समाधान नहीं, बल्कि उन्हें अपने पक्ष में मोड़ना है। कभी वे संयुक्त राष्ट्र के समानांतर इस तरह की एक कथित शांति-व्यवस्था खड़ी करने की बात करते हैं, तो कभी ईरान पर युद्ध की धमकी देते हैं। एक ओर वे यूरोपीय देशों की तारीफ कर अपना प्रभाव जमाने का प्रयास करते हैं, दूसरी ओर उन्हीं देशों पर व्यापारिक प्रतिबंधों और सैन्य खर्च का दबाव डालते हैं। यह दोहरा आचरण और कथनी और करनी का भेद वैश्विक अस्थिरता को बढ़ाता है। शांति की बात बोलते हुए हथियारों की बिक्री, सैन्य गठबंधनों का विस्तार और आर्थिक दंड-ये सब उनकी नीतियों के अभिन्न अंग रहे हैं। परिणामस्वरूप दुनिया एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां युद्ध की आहटें तेज हैं और मानवता अस्तित्व के मुहाने पर पहुंचती प्रतीत होती है। गाजा संकट के संदर्भ में यह और भी स्पष्ट हो जाता है कि बिना वैधता, सहमति और जवाबदेही के थोपी गई शांति कभी स्थायी नहीं होती। यदि नागरिकों की सुरक्षा, जीवन की गरिमा और राजनीतिक अधिकारों को नजरअंदाज किया जाए, तो कोई भी समझौता खोखला साबित होगा। ट्रंप का दृष्टिकोण इन मूलभूत सच्चाइयों को अक्सर अनदेखा करता है। आर्थिक वादों को राजनीतिक अधिकारों के विकल्प के रूप में प्रस्तुत करना एक खतरनाक भ्रम है, जो जमीनी वास्तविकताओं के बोझ से ढह जाता है। शांति तभी टिकाऊ हो सकती है जब उसमें स्थानीय लोगों की वास्तविक आवाज शामिल हो, उनके दुख-दर्द को समझा जाए और न्यायपूर्ण समाधान की दिशा में ईमानदार पहल हो।

भारत को गाजा में शांति प्रयासों में शामिल करने का प्रस्ताव भी इसी जटिलता को उजागर करता है। भारत का कूटनीतिक इतिहास बहुपक्षवाद, संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका और द्विराष्ट्र सिद्धांत के समर्थन से जुड़ा रहा है। भारत के इस्राइल से अच्छे संबंध हैं, तो अरब देशों में भी उसकी विश्वसनीयता बनी हुई है। लेकिन यदि शांति प्रक्रिया संयुक्त राष्ट्र को दरकिनार करती है, तो यह भारत की स्थापित कूटनीतिक परंपरा के अनुकूल नहीं होगा। भारत ने हमेशा प्रत्यक्ष हस्तक्षेप के बजाय स्थिरता और संवाद को प्राथमिकता दी है। ऐसे में ट्रंप-प्रेरित पहल में शामिल होना भारत के लिए भी एक नैतिक और रणनीतिक चुनौती बन सकता है। वास्तव में ट्रंप की नीतियां एक ऐसे विश्व-दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करती हैं, जहां शक्ति ही सत्य है और नैतिकता केवल भाषणों तक सीमित है। उनकी बयानबाजी में नफरत और विभाजन की छाया साफ दिखती है। आप्रवासन, नस्ल, धर्म और राष्ट्रवाद के मुद्दों पर उनकी भाषा ने वैश्विक स्तर पर असहिष्णुता को बढ़ावा दिया। जब विश्व का सबसे शक्तिशाली देश इस तरह का संदेश देता है, तो उसका असर सीमाओं से परे जाता है। युद्ध केवल गोलियों और मिसाइलों से नहीं लड़ा जाता, वह विचारों और शब्दों से भी लड़ा जाता है-और ट्रंप के शब्द अक्सर आग में घी डालने का काम करते रहे हैं। आज दुनिया जिन संकटों से जूझ रही है-यूक्रेन से लेकर मध्य पूर्व तक, एशिया से अफ्रीका तक, उनमें कहीं-न-कहीं महाशक्तियों की स्वार्थपूर्ण नीतियों की छाया है। ट्रंप का दौर इस प्रवृत्ति को और उग्र बनाता दिखाई दिया, जहां वैश्विक सहयोग के बजाय 'मैं पहले' की मानसिकता हावी रही। शांति के नाम पर दबाव, सौदेबाजी और धमकी-यह त्रयी मानवता के लिए घातक है। जो नेता स्वयं को शांति का प्रतीक बताता है, उससे अपेक्षा होती है कि वह पुल बनाए, दीवारें नहीं; संवाद बढ़ाए, युद्ध नहीं; भरोसा पैदा करे, भय नहीं। इस तरह प्रश्न यही है कि क्या शांति पुरस्कार की आकांक्षा मात्र से कोई शांति-दूत बन सकता है? यदि जवाबदेही, सहमति और मानवीय मूल्यों के बिना शांति थोपने की कोशिश की जाए, तो वह शांति नहीं, एक नया संघर्ष जन्म देती है। ट्रंप की कार्यशैली इसी सच्चाई की गवाही देती है। आज जब मानवता युद्धों में अपने जीवन को खो रही है, तब शांति का ढोंग और भी क्रूर प्रतीत होता है। दुनिया को ऐसे नेतृत्व की जरूरत है जो शक्ति के प्रदर्शन से नहीं, बल्कि करुणा, न्याय और बहुपक्षीय सहयोग से शांति की राह प्रशस्त करे। अन्यथा शांति मसीहा होने का यह नाटक इतिहास में एक विफल और खतरनाक प्रयोग के रूप में ही दर्ज होगा।

पढ़ेगा इंडिया, तो विश्व गुरु कैसे बनेगा इंडिया!

-आलेख : संजय पराते

कभी-कभी कोई विधायक जाने-अनजाने ही सही, विधानसभा में सरकार से ऐसे सवाल पूछ बैठते हैं, जो सरकार के विकास के दावों की पूरी पोल-पट्टी खोल देते हैं। ऐसे ही एक विधायक है मध्यप्रदेश के सरदारपुर विधानसभा क्षेत्र से प्रताप ग्रेवाल, जो सदन में कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करते हैं। वैसे छत्तीसगढ़ का अनुभव बताता है कि कांग्रेस यदि सत्ता में हो, तो पूरी ईमानदारी के साथ भाजपा के नक्शे-कदम चलता है। लेकिन कांग्रेस के सभी जन प्रतिनिधियों को एक ही तराजू में नहीं तौला जा सकता और ज्यादा संभावना इसी बात की है कि उन्होंने ये सवाल भाजपा की किरकिरी करने के लिए ही पूछा हो। स्कूली शिक्षा के बारे में उन्होंने जो सवाल पूछा और भाजपा सरकार की ओर से जो जवाब आया, भाजपा और उसकी सरकार ने शिक्षा क्षेत्र की जो मिट्टी-पलीद की है, वह दिखाने के लिए काफ़ी है। मध्यप्रदेश में स्कूली शिक्षा की जो दुर्दशा है, उसके लिए भाजपा सरकार के पास कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराने का कोई मौका नहीं है, क्योंकि कुछ अरसे के व्यवधान को छोड़कर वर्ष 2003 से भाजपा लगातार सत्ता में है। 2014 से उसके साथ केंद्र की ताकत भी जुड़ गई है और वह संभावित तर्क भी वह नहीं दे सकती कि केंद्र ने राज्य के साथ सहयोग नहीं किया है। विधान सभा में सरकार ने जो चौंकाने वाली जानकारी दी है, उसके अनुसार

1. प्रदेश में एक दशक पहले जहां 1,14,972 स्कूल थे, आज घटकर 82,128 रह गये हैं यानि 32,844 स्कूलों (28.56 प्रतिशत) पर ताला लग गया है।

2. स्कूलों की संख्या घट गई, तो शिक्षकों की संख्या भी घटनी ही थी। 2014-15 में प्रदेश में जहां 2,91,992 शिक्षक हुआ करते थे, वहीं आज ये संख्या घटकर 2,33,817 रह गई है -- यानी पिछले एक दशक में 61,175 स्कूली शिक्षक (20.95 प्रतिशत) कम हो गये हैं।

3. स्कूलों और शिक्षकों की बदहाली की झलक छात्रों की दर्ज संख्या में दिखनी ही थी। मध्यप्रदेश में 2010-11 में जहाँ 133.66 लाख छात्र थे, आज घटकर मात्र 79.39 लाख रह गये हैं -- यानी दस साल में करीब 54.27 लाख (40.61 प्रतिशत) छात्र कम हो गये हैं।

4. छात्र संख्या में गिरावट का असर छात्रवृत्ति पर भी पड़ना ही था। सरकार दस साल पहले 82 लाख स्कूली छात्रों को छात्रवृत्ति देती थी, अब वे भी घटकर 58 लाख रह गई है। इस प्रकार, 24 लाख (29.27 प्रतिशत) स्कूली बच्चे छात्रवृत्ति के दायरे से बाहर ढकेल दिए गए हैं।

एक रिपोर्ट बताती है कि धीरे-धीरे मध्यप्रदेश के 90 प्रतिशत सरकारी स्कूल बंद करने और महज 12000 स्कूलों से काम चलाने की योजना बना ली गई है। इन स्कूलों को निजी स्कूलों की तरह विकसित किया जाएगा। इसका सीधा अर्थ है, संपूर्ण स्कूली शिक्षा का पूरा-पूरा निजीकरण। कुछ लोगों को यह रिपोर्ट अतिशयोक्तिपूर्ण लग सकती है। लेकिन फिर लोकसभा में दी गई उस जानकारी पर नजर डालें, जिसके अनुसार 2014 के बाद पूरे देश में 89,441 स्कूल बंद हुए हैं और इनमें से 60 प्रतिशत मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश में बंद हुए हैं, जिनके कारण पिछले चार सालों में ही 2021-24 के बीच पहली कक्षा से आठवीं कक्षा के बीच पढ़ने वाले 2 करोड़ से अधिक बच्चों को सरकारी स्कूल से बाहर होना पड़ा है। इसलिए इस रिपोर्ट को सही माना जाना चाहिए कि मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार अपनी केंद्र सरकार की नीतियों को पूरी ईमानदारी से आगे बढ़ाने में लगी हुई है।

मध्यप्रदेश की जनसंख्या बढ़ रही है, लेकिन स्कूलों में छात्रों और शिक्षकों की संख्या घट रही है। तो छात्र जा कहां रहे है? छात्र जा रहे हैं गांव-गांव में कुकुरमुत्तों की तरह खुलने वाले निजी स्कूलों में, और इनमें से अधिकांश स्कूल और वहां पढ़ाने वाले शिक्षक संघी गिरोह से ताल्लुक रखते हैं। इन स्कूलों में नैतिक और आध्यात्मिक शिक्षा के नाम पर सरकारी पाठ्यक्रम से दीगर ऐसी किताबें पढ़ाई जा रही हैं, जो अवैज्ञानिक और हिंदुत्ववादी दृष्टिकोण से लबरेज हैं, जिसमें मिथकों और पौराणिक कहानियों को इतिहास बनाकर पेश किया जा रहा है, जो बच्चों के मन में सांप्रदायिक नफरत पैदा करती है और कुल मिलाकर, संघी गिरोह के एजेंडे को पूरा करती हैं।

लेकिन क्या मध्यप्रदेश के सभी 54 लाख छात्रों ने निजी स्कूलों में दाखिला लिया है? इस समय ऐसा कोई सरकारी आंकड़ा उपलब्ध नहीं है, जो यह बता सके कि निजी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों की संख्या कितनी है? प्रदेश में सरकारी स्कूलों की औसत दाखिला क्षमता 96 छात्र प्रति स्कूल है। यदि इसे ही पैमाना माना जाएं, तो प्रदेश के 25000 निजी स्कूलों की अधिकतम दाखिला क्षमता 24.2 लाख ही होती है। इसका अर्थ है कि सरकारी स्कूलों से बाहर होने वाले आधे से बहुत-कम छात्रों को ही निजी स्कूलों में प्रवेश का मौका मिला है और निश्चित ही ये समाज के विशिष्ट तबकों से जुड़े होंगे। स्थाई रूप से शिक्षा क्षेत्र से बाहर होने वाले बच्चों में लगभग सभी दलित, आदिवासी और सामाजिक-आर्थिक रूप से कमजोर तबकों के बच्चे ही शामिल हैं और हमारे समाज की पितृसत्तात्मक संरचना को देखते हुए यह दावे के साथ कहा जा सकता है कि स्कूली शिक्षा क्षेत्र से बाहर होने वालों में भी अधिकांश बच्चियां ही होंगी। कुछ आंकड़े इस अनुमान की पुष्टि भी करते हैं।

मध्यप्रदेश सरकार के आंकड़ों के अनुसार ही, वर्ष 2010-11 में 11.07 लाख बच्चियों ने स्कूलों में दाखिला लिया था, लेकिन 2021-22 तक इनमें से सिर्फ 3.4 लाख बच्चियां ही 12वीं कक्षा तक पहुंच पाई। इसका मतलब है कि 68.21 प्रतिशत बच्चियों के हाथ से 12वीं कक्षा में पहुंचने से पहले ही पुस्तकें छीन ली गईं।

बच्चियों के बारे में मध्यप्रदेश में भाजपा राज की एक और योजना की हकीकत के बारे में जान लें, और वह योजना है लाड़ली लक्ष्मी योजना, जिसे तब के स्वनामधन्य मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुरू किया था। यह योजना लिंगानुपात सुधारने और बच्चियों को स्कूलों में दाखिला कराकर उन्हें पढ़ाई के लिए प्रेरित करने के लिए बनाई गई थी। योजना यह है कि किसी बच्ची के जन्म लेने के साथ ही उसके खाते में 1.43 लाख रुपए डाल दिए जाए, जिससे उसे 6वीं से 2000 रुपए, 9वीं से 4000 रुपए, 11वीं में 6000 रुपए और कॉलेज पहुंचने पर 25,000 रुपए की छात्रवृत्ति दी जा सके। 2007 में यह योजना शुरू हुई थी और पहले वर्ष 40,854 बच्चियों का पंजीयन हुआ था। इनमें से केवल 1477 बच्चियां ही कॉलेज पहुंच पाई हैं, जो कुल बच्चियों का सिर्फ 3.61 प्रतिशत ही है। मनुवादी सरकार को स्कूलों से बाहर होने वाली इन बच्चियों के भविष्य की भी चिंता नहीं है। मध्यप्रदेश में दलित और आदिवासी समुदाय से जुड़ी 60 प्रतिशत बच्चियों छात्रवृत्ति न मिलने और जाति प्रमाण पत्र न बनने के कारण स्कूल छोड़ने के लिए मजबूर हो जाती है। अब मोहन यादव सरकार को यह भी नहीं मालूम होगा कि शिवराज जमाने में बनी यह योजना जिंदा है या मृत? भाजपा राज में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के नारे की यही हकीकत है। यही है मोदी सरकार की नई शिक्षा नीति का भाजपा शासित राज्यों में व्यावहारिक अमल।

मोदी सरकार जिस नई शिक्षा नीति को संस्कार और भारतीय मूल्यों को बढ़ावा देने की पुड़िया में पेश कर रही है, उसका असली मकसद यही है : सरकारी स्कूलों को बदहाल बनाओ और आरएसएस के एजेंडे से संचालित निजी स्कूलों को बढ़ावा दो। मध्यप्रदेश इस नीति के असरदार क्रियान्वयन की प्रयोगशाला है। स्कूली बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा देने का संविधान का निर्देश उठाकर घूरे पर फेंक दिया गया है। मनुवादी ताकतें जानती हैं कि जनता के बहुमत को अशिक्षित रखकर ही वे अपने को सुरक्षित रख सकती हैं।

छानबीन करेंगे, तो कमोबेश ऐसी ही स्थिति छत्तीसगढ़, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान सहित सभी भाजपा शासित राज्यों की होगी। जनता को अशिक्षित और जाहिल करने वाली इसी नीति को गैर-भाजपा शासित राज्यों में लागू करने के लिए मोदी सरकार दबाव डाल रही है। यह सुकून की बात है कि केरल, जहां लगभग सौ प्रतिशत साक्षरता है, की वामपंथी सरकार ने इस शिक्षा नीति को ठुकराने की घोषणा की है। दक्षिण के सभी गैर-भाजपा शासित राज्यों ने भी केरल के रास्ते पर चलने का ऐलान किया है। यही हालत उच्च शिक्षा की है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित एक टास्क फोर्स की रिपोर्ट है कि वर्ष 2022 में लगभग 13000 छात्रों ने आत्महत्या की थी। इस टास्क फोर्स की अंतरिम रिपोर्ट ने पिछले एक दशक में शिक्षा क्षेत्र में किए गए कथित क्रांतिकारी सुधार के मोदी सरकार के दावों की पोल खोलकर रख दी है। नई शिक्षा नीति के नाम पर जो कदम मोदी सरकार ने लागू किए हैं, वे विशुद्ध रूप से शिक्षा को बाजार का माल बनाने और सरकार की जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने के लिए उसका निजीकरण करने से ही प्रेरित हैं। वास्तविकता तो यह है कि सरकार की पूरी शिक्षा नीति अवैज्ञानिक है और यह स्कूली शिक्षा और उच्च शिक्षा दोनों को बर्बाद कर रही है। एक ओर, शिक्षा महंगी होती जा रही है और दूसरी ओर, विभिन्न बहानों की आड़ में छात्रों को समय पर उनकी छात्रवृत्ति के भुगतान से इंकार किया जा रहा है। यह वित्तीय तनाव छात्रा झेल नहीं पाते और आत्महत्या के लिए प्रवृत्त होते हैं।

वास्तव में जनता की जहालत और अशिक्षा ही भाजपा की सबसे बड़ी पूंजी है, जिसे नई शिक्षा नीति के माध्यम से वह मजबूत करने की कोशिश कर रही है। मनु की वर्ण व्यवस्था इसी जहालत और अशिक्षा के आधार पर समाज की रचना करना चाहती है, जिसे हिंदुत्व और हिंदू राष्ट्र के निर्माण के नाम पर भाजपा की सरकारें आगे बढ़ा रही हैं। फिर विकास के नाम पर शिक्षा का बजट, छात्र कल्याण की योजनाएं आदि-इत्यादि की घोषणा करने का दिखावा भी आप्रासंगिक होकर रह जाता है। रूस में मजदूर-किसान राज के संस्थापक लेनिन का कहना था कि जनता बारूद होती है और शिक्षा चिंगारी। इसलिए विस्फोट से बचने के लिए, जरूरी है कि जनता (बारूद) और शिक्षा (चिंगारी) को मिलने ही मत दो। किसी भी तानाशाह-फासीवादी और सांप्रदायिक- कॉरपोरेटपरस्त सरकार की यही कोशिश होती है।

मणिकर्णिका का कायाकल्प या मानसिक गुलामी का विलाप?

-सुरेश गांधी

काशी के हृदय में धधकती मणिकर्णिका केवल एक श्मशान नहीं है। यह सनातन चेतना का वह शिखर है जहां जीवन और मृत्यु आमने-सामने खड़े होकर भी विरोधी नहीं, पूरक बन जाते हैं। यहीं मृत्यु मंगल बनती है, और यहीं अहंकार का अंतिम संस्कार होता है। लेकिन विडंबना यह है कि आज इसी मणिकर्णिका के कायाकल्प पर सबसे तीखा विरोध वही लोग कर रहे हैं, जिनका इतिहास सनातन से नहीं, सनातन के अपमान से जुड़ा रहा है। यह विरोध विकास का नहीं है; यह मानसिक गुलामी, वैचारिक कुंठा और सत्ता छिनने की बेचैनी का शोर है। लेकिन उन्हें जान लेना होगा कि काशी के महाश्मशान मणिकर्णिका घाट की पहचान अब केवल परंपरा और आस्था तक सीमित नहीं रहने वाली। सदियों से निरंतर जलती चिताओं का साक्षी यह घाट अब अपने इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ने जा रहा है।

गंगा तट पर स्थित इस विश्वप्रसिद्ध महाश्मशान की तस्वीर तेजी से बदल रही है और इसके पुनर्निर्माण का मॉडल सामने आने के बाद लोगों की जिज्ञासा और बढ़ गई है, आखिर नया मणिकर्णिका घाट कैसा होगा और इसमें शवयात्रियों व परिजनों के लिए क्या-क्या सुविधाएं होंगी? तकरीबन 17.56 करोड़ रुपये की लागत से मणिकर्णिका घाट को नया और सुव्यवस्थित स्वरूप दिया जा रहा है। वर्तमान में घाट की पुरानी सीढ़ियों पर स्ट्रेचर के समतलीकरण का कार्य चल रहा है ताकि शवयात्रियों को कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। परियोजना के तहत घाट पर व्यूइंग गैलरी, रैंप, और बैठने की समुचित व्यवस्था विकसित की जा रही है। इसके साथ ही पर्याप्त लाइटिंग, वेटिंग रूम, शौचालय, पेयजल, वेंडिंग जोन और लकड़ी के भंडारण के लिए विशेष स्थान निर्धारित किए जा रहे हैं। घाट और आसपास की गलियों को गंदगी से मुक्त रखने के लिए आधुनिक ड्रेनेज सिस्टम विकसित किया जा रहा है, ताकि सीवेज का पानी खुले में न बहे।

पुनर्निर्माण परियोजना के तहत कुल 18 शवदाह संरचनाओं का निर्माण होगा। इनमें 10 पुरानी दाह संरचनाओं का जीर्णोद्धार, 8 नई दाह संरचनाओं का निर्माण शामिल है। इन सभी शवदाह स्थलों को एलिवेटेड प्लेटफॉर्म पर विकसित किया जाएगा, जहां कम लकड़ी के उपयोग से साथ पूर्ण शास्त्रीय विधि-विधान से अंतिम संस्कार संपन्न किया जा सकेगा। इससे न केवल पर्यावरण प्रदूषण में कमी आएगी, बल्कि गंगा संरक्षण को भी बल मिलेगा। खास यह है कि जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने स्पष्ट किया है कि इस परियोजना के दौरान मणिकर्णिका घाट पर स्थित किसी भी धार्मिक स्थल या ऐतिहासिक धरोहर को हटाया नहीं जाएगा, बल्कि उनका संरक्षण किया जाएगा। परियोजना के अंतर्गत विष्णुपादुका, दत्तात्रेय पादुका, मणिकर्णिका कुंड सहित अन्य प्राचीन मंदिरों का संरक्षण और सौंदर्यीकरण किया जाएगा, ताकि काशी का सनातन स्वरूप और अधिक स्पष्ट होकर सामने आए। यह परियोजना रूपा फाउंडेशन के सीएसआर फंड से संचालित की जा रही है, जिसकी आधारशिला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रखी थी।

परियोजना पूर्ण होने के बाद प्रतिदिन 100 से 150 शवों का अंतिम संस्कार सुव्यवस्थित ढंग से किया जा सकेगा। मतलब साफ है यह केवल विकास परियोजना नहीं है, यह वैचारिक पुनर्जागरण है। यह संदेश है कि सनातन अब शर्म से सिर झुकाकर नहीं जिएगा। वह अपने तीर्थों को सहेजेगा, सँवारेगा और गर्व से प्रस्तुत करेगा। अब फैसला साफ होना चाहिए, देश को तय करना होगा, क्या कुछ नेता और वैचारिक गिरोह यह तय करेंगे कि हमारी आस्था कैसी दिखे? या फिर करोड़ों सनातनियों की भावना के अनुसार तीर्थों का विकास होगा? मणिकर्णिका किसी पार्टी की नहीं, किसी नेता की नहीं, यह भारत की आत्मा का हिस्सा है। जो लोग आज इसके उत्थान से डर रहे हैं, वे डरते रहेंगे। काशी रही है, काशी है, काशी रहेगी। काशी की आत्मा मणिकर्णिका केवल एक श्मशान नहीं, बल्कि सनातन दर्शन का जीवंत प्रमाण है, जहाँ मृत्यु भी उत्सव है और अंत भी मोक्ष का द्वार। किंतु विडंबना यह है कि आज इसी मणिकर्णिका के स्वरूप सुधार पर सबसे ऊँची आवाज वही लोग उठा रहे हैं, जिनका विरोध सनातन से कम और दोगलेपन से अधिक उपजा हुआ प्रतीत होता है।

खुद के लिए आधुनिकता सही, सनातन के लिए नहीं?

जब बाबा विश्वनाथ की सदियों पुरानी तंग, दमघोंटू गलियों से मुक्ति दिलाकर भव्य कॉरिडोर बनाया गया, तब भी यही वर्ग चीख उठा। जब मणिकर्णिका की अव्यवस्था, गंदगी और अमानवीय हालात को हटाकर उसे गरिमा, स्वच्छता और दिव्यता दी जा रही है, तब भी इन्हें ह्णपरंपरा खतरे में' दिखने लगती है। प्रश्न सीधा है क्या आधुनिकता का अधिकार केवल निजी जीवन तक सीमित है? क्या सनातन के पौराणिक स्थल सड़ांध, अव्यवस्था और अवमानना के प्रतीक बने रहें, ताकि तथाकथित प्रगतिशील उन पर व्यंग्य कर सकें? दरअसल, इनका असली डर यह है कि अगर सनातन अपने भव्य स्वरूप में लौट आया, तो उनकी वर्षों की वैचारिक खेती उजड़ जाएगी। वे चाहते हैं कि हम आधुनिक कपड़े पहनें, आधुनिक गाड़ियों चलाएं, आधुनिक सुख-सुविधाएँ लें, लेकिन हमारी आस्था, हमारे तीर्थ और हमारी परंपराएँ उसी सड़ी-गली व्यवस्था में कैद रहें।

आस्था करोड़ों की है, सुधार अपराध नहीं

मणिकर्णिका किसी एक समुदाय या वर्ग की नहीं, करोड़ों सनातनियों की आस्था का केंद्र है। वहाँ स्वच्छता, सुव्यवस्था और सम्मानजनक ढाँचा देना न तो परंपरा का अपमान है और न ही इतिहास का विनाश, बल्कि यह उस परंपरा को आने वाली पीढ़ियों के लिए सहेजने का प्रयास है। जो लोग दशकों तक अवैध निर्माण, गंदगी और अराजकता पर मौन साधे रहे, आज उन्हें अचानक ह्णसंवेदनशीलता याद आ रही है। सच यह है कि यह विरोध विकास का नहीं, नियंत्रण खोने का है। निर्णय स्पष्ट होना चाहिए, समाज और सरकार दोनों को यह तय करना होगा कि क्या कुछ मुट्ठीभर वैचारिक विरोधी सनातन स्वरूप के कायाकल्प में बाधा बनते रहेंगे, या फिर जनभावना और आस्था के अनुरूप निर्णायक कदम उठाए जाएंगे। काशी ने युगों-युगों में देखा है, जो परिवर्तन का विरोध करता है, वह अंततः समय के मलबे में दब जाता है। इतिहास भी देख रही है, और इतिहास भी। क्योंकि काशी में केवल शरीर जलते हैं असत्य, पाखंड और दोगलापन अंततः खुद भस्म हो जाते हैं।

राजनीतिक चेहरे, एक ही मानसिकता

इस पूरे विरोध में कुछ नाम बार-बार उभरते हैं - अखिलेश यादव, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी। इनमें विचारधाराएं अलग दिख सकती हैं, लेकिन सनातन को लेकर असहजता एक जैसी है। देश की गाढ़ी कमाई से करोड़ों के बंगले, शाही फार्महाउस, वीआईपी सुरक्षा, विदेशी जीवनशैली, सब इन्हें स्वीकार्य है। लेकिन, काशी का विकास इन्हें खटकता है, मणिकर्णिका का सम्मान इन्हें अखरता है, बाबा विश्वनाथ कॉरिडोर इन्हें ह्णराजनैतिक स्टंट्ह लगता है। सवाल यह है, जो खुद महलों में रहते हैं, वे यह तय करने वाले कौन होते हैं कि देवस्थल कैसे रहें? क्या देश की आस्था केवल तब तक ठीक है, जब तक वह टूटी-फूटी, अव्यवस्थित और उपहास का विषय बनी रहे?

डोमराजा परिवार की भूमिका और सुविधाएँ

काशी में सदियों से डोमराजा परिवार ही महाश्मशान पर मुखाग्नि देता आया है। परियोजना के तहत डोमराजा परिवार और उनसे जुड़े लोगों के लिए भी बेहतर, सुरक्षित और सम्मानजनक सुविधाएँ विकसित की जा रही हैं, ताकि परंपरा और आधुनिक व्यवस्था के बीच संतुलन बना रहे।

हंगामा और सरकार का स्पष्ट संदेश

हाल के दिनों में इस परियोजना को लेकर कुछ विरोध और हंगामा भी देखने को मिला। हालांकि योगी सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि विकास के नाम पर आस्था से कोई समझौता नहीं होगा। न तो किसी मंदिर को हटाया जाएगा और न ही मणिकर्णिका की पौराणिक पहचान को क्षति पहुँचाई जाएगी।

काशी, मोक्ष और पुराणों की दृष्टि

काशी और मणिकर्णिका से जुड़ी मान्यताओं का उल्लेख स्कंदपुराण के काशी खंड में मिलता है। इसमें बताया गया है कि काशी शिव और शक्ति का आनंद स्थान है, जिसे शिव ने ह्णआनंदवनह्न कहा। प्रलय के समय भी यह क्षेत्र अविनाशी रहता है, इसलिए इसे अविमुक्त क्षेत्र कहा गया। पौराणिक कथा के अनुसार भगवान शिव के कानों के मणिजटित कुंडल यहां गिरने से इस तीर्थ का नाम मणिकर्णिका पड़ा। मान्यता है कि यहां मृत्यु को प्राप्त व्यक्ति को शिव स्वयं तारक मंत्र देकर मोक्ष प्रदान करते हैं।

काशी करवट और संत साहित्य

इतिहास में काशी करवट जैसी परंपराएं भी प्रचलित रहीं, जिनका उल्लेख भक्ति काल के संतों - कबीर, रविदास, मीरा, सूरदास, दादू दयाल और सूफी संत रज्जबकी रचनाओं में मिलता है। हालांकि महात्मा कबीर ने ऐसी रूढ़ मान्यताओं की खुलकर आलोचना की और कर्म को प्रधान बताया। यही कारण है कि उन्होंने काशी छोड़कर मगहर में देह त्याग किया।

महाश्मशान : काशी का नाभिकेंद्र

मणिकर्णिका को काशी का नाभिकेंद्र कहा जाता है। मान्यता है कि विश्व का नाभि भारत, भारत का नाभि काशी और काशी का नाभिकेंद्र मणिकर्णिका है। चीनी यात्री ह्वेनसांग और इंग्लिश, मुगलकालीन व अंग्रेज यात्रियों ने भी अपने विवरणों में लिखा है कि मणिकर्णिका घाट पर दिन-रात चिताएं जलती रहती हैं, यह परंपरा सदियों से अविच्छिन्न है।

परंपरा और आधुनिकता का संगम

नया मणिकर्णिका घाट परंपरा को मिटाने का नहीं, बल्कि उसे गरिमा, सुविधा और पर्यावरणीय चेतना के साथ आगे ले जाने का प्रयास है। यह परियोजना बताती है कि सनातन परंपरा स्थिर नहीं, बल्कि समय के साथ संवेदनशील और विवेकपूर्ण विकास को स्वीकार करने वाली जीवंत परंपरा है।

एआई : तकनीक नहीं, नया हथियार

इस बार विरोध का तरीका बदला गया है। अब सड़क पर नारे नहीं, अब एआई जनरेटेड वीडियो, एडिटेड तस्वीरें, भ्रामक ऑडिट क्लिप्स और भावनात्मक बैकग्राउंड म्यूजिक का सहारा लिया जा रहा है। कुछ सेकेंड का वीडियो दिखाकर कहा जा रहा है ह्णदेखो, मणिकर्णिका की आत्मा कुचली जा रही है ह्न लेकिन यह नहीं बताया जाता कि पहले वहां कैसी अव्यवस्था थी, कैसे शवों के साथ अमानवीय व्यवहार होता था, कैसे शोकाकुल परिजन असहाय खड़े रहते थे, कैसे गंदगी और अवैध कब्जों ने घाट को जकड़ रखा था, यह डिजिटल दुष्प्रचार है। यह सच नहीं दिखाता, यह एजेंडा परोसता है। आज एआई उनके लिए वही काम कर रहा है, जो कभी झूठे इतिहासकार और प्रोपेगैंडा लेखक किया करते थे। मकसद साफ है, मणिकर्णिका को ह्णअसंवेदनशीलह्न, ह्णअमानवीयह्न, ह्णपरंपरा-विरोधीह्न दिखाना। आज का बड़ा प्रश्न यह है, क्या सत्य अब आस्था तय करेगी या एल्गोरिद्म? अगर कल एआई यह दिखा दे कि मंदिर भीड़भाड़ वाले हैं, घाट अव्यवस्थित हैं, पर्व ह्णअवैज्ञानिकह्न हैं, तो क्या हम सब कुछ बंद कर देंगे? तकनीक का काम सच दिखाना है, एजेंडा चलाना नहीं। लेकिन सनातन-विरोधी मानसिकता के लिए एआई नया हथियार है, कम जोखिम, ज्यादा जहर।

सनातन को शर्मिंदा देखने की आदत

सच्चाई यह है कि दशकों तक एक वर्ग को यह सिखाया गया, मंदिर पिछड़ेपन का प्रतीक हैं, घाट गंदगी का प्रतीक हैं, तीर्थ अव्यवस्था का प्रतीक हैं और जब विदेशी कैमरे आएँ, तो हम खुद ही हँसें और कहें, ह्णहाँ, यही है हमारी संस्कृति ह्न अब जब सरकार और समाज मिलकर इस अपमान को सम्मान में बदल रहे हैं, तो इनकी वैचारिक दुकानें बंद हो रही हैं। इसीलिए शोर है। इसीलिए, रोना है। इसीलिए एआई का सहारा है।

मणिकर्णिका: सुधार क्यों जरूरी था

मणिकर्णिका में सुधार कोई विलास नहीं था। यह मानवीय आवश्यकता थी। अंतिम संस्कार गरिमा के साथ हो, शोकाकुल परिवार को सुविधा मिले, पंडा, डोम समाज सम्मान के साथ काम करे, स्वच्छता और व्यवस्था हो, अग्नि, जल और मार्ग सुरक्षित हों, क्या यह सब मांगना पाप है? या फिर सनातन से जुड़े लोगों को जानबूझकर कष्ट में रखना ही कुछ लोगों की राजनीति है?

विरोध का असली कारण

असल समस्या यह नहीं है कि मणिकर्णिका बदली जा रही है। असल समस्या यह है कि अब अव्यवस्था से लाभ नहीं मिलेगा, अब अवैध कब्जे नहीं चलेंगे, अब भावनात्मक शोषण नहीं होगा, अब सनातन गर्व के साथ खड़ा दिखेगा, और यह दृश्य कुछ लोगों को बर्दाश्त नहीं। काशी ने सब देखा है काशी ने आक्रमण देखे। काशी ने उपेक्षा देखी। काशी ने राजनीतिक तिरस्कार देखा। लेकिन हर बार काशी उठी। और इस बार भी उठ रही है। यह केवल निर्माण नहीं है, यह वैचारिक मुक्ति है। अब यह तय करना होगा, क्या कुछ एआई वीडियो हमारी आस्था तय करेंगे? क्या कुछ नेता यह तय करेंगे कि हिंदू तीर्थ कैसे दिखें? या फिर करोड़ों सनातनियों की भावना। निर्णय का आधार बनेगी? मतलब साफ है कि मणिकर्णिका में केवल शरीर नहीं जलते, वहाँ झूठ जलता है, पाखंड जलता है, एजेंडा जलता है, और अंततः मानसिक गुलामी भी भस्म हो जाती है। काशी थी। काशी है। काशी रहेगी। और जो सनातन के उत्थान से डरते हैं, वे इतिहास के उसी राख में मिलेंगे, जिसे मणिकर्णिका हर दिन साक्षी भाव से देखती है।

परंपरा का अर्थ जड़ता नहीं

मणिकर्णिका की पहचान सदियों से चली आ रही है, पर यह पहचान कभी जड़ नहीं रही। काशी स्वयं ह्णअविमुक्तह्न है, जिसे शिव ने कभी छोड़ा नहीं। स्कंदपुराण के काशी खंड में वर्णित आनंदवन की कथा बताती है कि यह क्षेत्र प्रलय में भी नष्ट नहीं होता, क्योंकि यह शिव और शक्ति का आनंद स्थान है। ऐसे में यह मान लेना कि मणिकर्णिका केवल उसी रूप में पवित्र है, जिसमें अव्यवस्था, अंधकार और असुविधा हो, परंपरा का सरलीकरण ही नहीं, उसका अपमान भी है। परंपरा वह नहीं जो समय से डर जाए, परंपरा वह है जो समय को आत्मसात कर ले। रैंप, बैठने की व्यवस्था, प्रकाश, पेयजल, शौचालय, वेटिंग रूम और सुव्यवस्थित दाह स्थल, ये सुविधाएँ विलास नहीं हैं। ये उस गरिमा का पुनर्स्थापना हैं, जो मृत्यु के क्षण में भी मनुष्य का अधिकार है। नए मणिकर्णिका घाट पर प्रस्तावित एलिवेटेड शवदाह संरचनाएं, जहां कम लकड़ी के उपयोग से पूर्ण शास्त्रीय विधि-विधान के साथ अंतिम संस्कार संभव होगा, यह संकेत है कि सनातन केवल आस्था नहीं, पर्यावरणीय विवेक भी है। जिस दर्शन ने पंचतत्व की बात की, वह प्रकृति के विनाश का समर्थक कैसे हो सकता है? परंपरा और पर्यावरण का यह संतुलन ही सनातन की मौलिक शक्ति है। आज भी चिताएँ जलेंगी। आज भी मंत्र गूँजेंगे। आज भी गंगा बहेगी। बस फर्क इतना होगा कि अब यह सब अधिक गरिमा, प्रकाश और व्यवस्था के साथ होगा।

परंपरा का भविष्य

मणिकर्णिका घाट का पुनर्निर्माण यह प्रश्न नहीं उठाता कि परंपरा बचेगी या नहीं। यह प्रश्न उठाता है कि क्या हम परंपरा को केवल स्मारक बनाकर छोड़ देंगे, या उसे समय के साथ चलने योग्य बनाएंगे? सनातन कभी संग्रहालय नहीं रहा। वह सदैव जीवित रहा है, बहता हुआ, बदलता हुआ, और फिर भी अपने मूल में अडिग। मणिकर्णिका का नया स्वरूप इसी सत्य की पुनर्पुष्टि है।

खवड़ा विद्युत ट्रांसमिशन परियोजना में किसानों को 4.5 करोड़ रुपये से अधिक मिला मुआवजा

पालघर(उत्तरशक्ति)। रेजोनिया लिमिटेड द्वारा संचालित खवड़ा पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड ने खवड़ा विद्युत वहन परियोजना के अंतर्गत स्थानीय किसानों और भूमिधारकों के प्रति अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए अब तक 4.5 करोड़ रुपये से अधिक की मुआवजा राशि वितरित की है। यह मुआवजा डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से पालघर जिले के जव्हार, विक्रमगड, वाडा तथा ठाणे जिले के भिवंडी तहसील के किसानों और जमीन मालिकों को प्रदान किया गया है। उपविभागीय अधिकारियों द्वारा अधिकृत दरें घोषित होने के बाद टॉवर से संबंधित नुकसान भरपाई की प्रक्रिया को तेजी से पूरा किया गया। इसके अंतर्गत विक्रमगड में प्रति वर्ग मीटर 627 रुपये, वाडा में 1,253 रुपये, जव्हार में 244 रुपये तथा भिवंडी में 3,300 रुपये की दरें तय की गई हैं। वाडा तहसील के किसान पंढरीनाथ पाटील को 13.98 लाख रुपये तथा महेंद्र जाधव को 8.89 लाख रुपये का मुआवजा दिया गया है। साथ ही परियोजना का कार्य पूर्ण होने के बाद उन्हें समान राशि की अतिरिक्त भरपाई भी दी जायेगी। अब तक 2.12 करोड़ रुपये फसलों और पेड़ों के नुकसान के लिए तथा 2.52 करोड़ रुपये भूमि क्षतिपूर्ति के रूप में वितरित किये जा चुके हैं। टॉवर निर्माण के दौरान यदि फसलों को नुकसान होता है, तो वास्तविक प्रभावित क्षेत्र और फसल के प्रकार के आधार पर मुआवजा दिया जा रहा है। वहीं पेड़ों के नुकसान का आकलन राजस्व, उद्यान और वन विभाग की संयुक्त जांच के बाद शासन के नियमों के अनुसार किया जाता है। तहसील स्तर पर एक समान, पारदर्शी और आकर्षक मुआवजा नीति लागू की गई है, जो देश के सर्वोत्तम दरों में से एक मानी जा रही है। क्षेत्रीय टीमों द्वारा किसानों को मौके पर ही आवश्यक सहायता दी जा रही है, जिससे परियोजना अवधि के दौरान किसानों और भूमिधारकों पर आर्थिक बोझ कम हो रहा है।

स्व. इंदिरा गांधी उपजिला अस्पताल में अरुणोदय-सिकल सेल एनीमिया विशेष अभियान की हुयी शुरूआत

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी स्थित स्व. इंदिरा गांधी स्मृति उपजिला अस्पताल में 15 जनवरी से 7 फरवरी तक अरुणोदय-सिकल सेल एनीमिया विशेष अभियान सप्ताह का आयोजन किया गया है। इस अभियान का शुभारंभ अस्पताल की वैद्यकीय अधीक्षक डा. माधवी पंदारे के शुभहस्ते संपन्न हुआ। इस अवसर पर डा. गुलफाम शेख, डा. इजहार अंसारी, सहायक अधिसेविका श्रीमती हेमलता जाधव, अश्विनी नाडे, प्रयोगशाला वैज्ञानिक अधिकारी देविदास शेटगे तथा राजेंद्र शिंदे सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। अभियान के अंतर्गत सिकल सेल रक्त जांच, सिकल सेल रोग के बारे में परामर्श तथा विवाह पूर्व सिकल सेल समुपदेशन किया जाएगा। साथ ही अस्पताल के एनसीडी विभाग के माध्यम से किशोर-किशोरियों को सिकल सेल एनीमिया के प्रति जागरूक किया जाएगा। स्व. इंदिरा गांधी स्मृति उपजिला अस्पताल में सभी गर्भवती महिलाओं की सिकल सेल रक्त जांच नियमित रूप से की जाती है। इसके अलावा 0 से 40 वर्ष आयु वर्ग के नागरिकों से अपील की गई है कि वे उत्स्फूर्त रूप से भाग लेकर अपनी सिकल सेल रक्त जांच कराएं। इसके लिए अस्पताल का प्रयोगशाला विभाग तथा महालैब अभियान के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अस्पताल की वैद्यकीय अधीक्षक डा. माधवी पंदारे ने नागरिकों से इस जनस्वास्थ्य अभियान में अधिक से अधिक संख्या में सहभागी होने का आह्वान किया है।

कस्तूरी मेटल कंपोज़िट लिमिटेड (KMCL) ने IPO का प्राइस बैंड 61-64 घोषित किया; इश्यू 27 जनवरी 2026 को खुलेगा

मुंबई। इंजीनियर्ड स्टील फाइबर और इंडस्ट्रियल फ्लोरिंग सॉल्यूशंस की निर्माता व प्रदाता कंपनी कस्तूरी मेटल कंपोज़िट लिमिटेड (KMCL) ने अपने प्रस्तावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (IPO) के लिए प्रति इक्विटी शेयर 61-64 का प्राइस बैंड तय किया है। IPO 27 जनवरी 2026 को खुलेगा और 29 जनवरी 2026 को बंद होगा। एंकर पोर्शन 23 जनवरी 2026 को खुलेगा। यह IPO बुक-बिल्डिंग रूट के जरिए 10 अंकित मूल्य वाले 27.52 लाख इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू है। प्राइस बैंड के ऊपरी सिरे पर इश्यू का आकार 17.61 करोड़ तक है। कंपनी के शेयरों का प्रस्तावित लिस्टिंग बीएसई (BSE) के एसएमई प्लेटफॉर्म (BSE SME) पर होगा। निवेशक न्यूनतम 4,000 इक्विटी शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, और उसके बाद 2,000 शेयरों के गुणकों में आवेदन कर सकते हैं। ऑफर डॉक्यूमेंट में दिए गए विवरण के अनुसार, IPO से प्राप्त राशि का एक बड़ा हिस्सा महाराष्ट्र के अमरावती में नई मैन्युफैक्चरिंग इकाई स्थापित करने हेतु पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) में उपयोग करने का प्रस्ताव है। 15,300 वर्ग मीटर में फैली इस प्रस्तावित इकाई में 6,000 MT वार्षिक क्षमता वाला स्टील फाइबर प्रोडक्शन प्लांट तथा 500 MT वार्षिक क्षमता वाला मैक्रो सिंथेटिक पीपी (PP) फाइबर प्रोडक्शन प्लांट शामिल होगा। शेष राशि का एक हिस्सा सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए उपयोग करने का प्रस्ताव है, जैसा कि ऑफर डॉक्यूमेंट में विस्तृत है।

गोदरेज एग्रोवेट ने महाराष्ट्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के साथ हाथ मिलाया

मुंबई/पटना। अग्रणी कृषि-व्यवसाय कंपनी गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड (गोदरेज एग्रोवेट) ने आज महाराष्ट्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एमएसआरएलएम -यूएमईडी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की। इस साझेदारी का उद्देश्य ग्रामीण किसानों को सशक्त बनाना और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देना है। यह सहयोग संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष (आईवाईडब्ल्यूएफ 2026) के रूप में मनाए जाने के अनुरूप है, जो कृषि-खाद्य प्रणालियों में महिलाओं की अहम भूमिका को रेखांकित करता है और लैंगिक अंतर को कम करने व आजीविकाओं को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर जोर देता है। तीन वर्षों की यह साझेदारी स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) और महिला किसानों को गुड एग्रीकल्चरल प्रैक्टिसेज (जीएपी) तथा इंटीग्रेटेड पेस्ट मैनेजमेंट (आईपीएम) अपनाने के लिए प्रेरित करेगी, जिससे कृषि उत्पादकता बढ़ेगी और टिकाऊ आजीविकाएं विकसित होंगी। कार्यक्रम के पहले वर्ष में महाराष्ट्र के नौ प्रमुख कपास उत्पादक जिलों-नागपुर, अमरावती, यवतमाल, वाशिम, परभणी, जलगांव, बीड, अकोला और नांदेड़-पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इसके तहत 5,000 से अधिक महिला किसानों और 50,000 एकड़ से अधिक कृषि भूमि को कवर किया जाएगा, साथ ही प्रत्येक जिले में 100 स्वयं सहायता समूहों को जोड़ा जाएगा।

अमरत्व के इंग्लिश वर्जन इमॉर्टलिटी का हुआ लोकार्पण

मुंबई/नई दिल्ली। भारत मंडपम में चल रहे विश्व पुस्तक मेले में शनिवार 17 जनवरी को इंडिया नेटबुक्स के स्टॉल पर प्रसिद्ध पत्रकार और लेखक राघवेश अस्थाना के इंग्लिश उपन्यास इमॉर्टलिटी का भव्य लोकार्पण किया गया। गौरतलब है कि इमॉर्टलिटी राघवेश अस्थाना के प्रसिद्ध हिंदी उपन्यास अमरत्व का इंग्लिश अनुवाद है। अमरत्व का भव्य लोकार्पण गत वर्ष के पुस्तक मेले में प्रसिद्ध कवि अशोक चक्रधर ने किया था और उस समय उन्होंने कहा था कि अमरत्व युवाओं को सनातन संस्कृति से डायरेक्ट कनेक्ट करता है ‘अमरत्व’ राष्ट्रवाद एवं भारतीय भाव का सूत्र पिरोते हुए भारतीय होमलैंड की आध्यात्मिक दृष्टि को एक नया अंदाज देने की अनूठी यात्रा है। उसी दौरान उन्होंने इसके अंग्रेज़ी अनुवाद की आवश्यकता पर भी बल दिया। इसकी ज़िम्मेदारी केन्या बेस्ड राइटर अहल्या अनंत ने बखूबी निभाते हुए इमॉर्टलिटी के नाम से इसका अंग्रेजी अनुवाद किया। जिसका लोकार्पण इस बार के विश्व पुस्तक मेले में किया गया। इस अवसर पर प्रकाशक और वरिष्ठ साहित्यकार डॉक्टर संजीव कुमार ने बड़ी खुशी जाहिर की तो लेखक राघवेश अस्थाना ने अनुवाद के लिए अहल्या अनंत का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इस कृति में भारतीय सनातन मूल्यों को आधुनिक पाठकों के चिंतन से जोड़ने का उन्होंने एक प्रयास किया है क्योंकि सनातन भारतीय परंपरा ऋषि-मुनियों, पुराणों, उपनिषदों, गीता, वेदांत और दार्शनिक तत्वज्ञान में विकसित हुई है।

जिला परिषद पालघर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का जिला स्तरीय क्रीड़ा महोत्सव व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का होगा आयोजन

पालघर (उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए वर्ष 2025-26 का जिला स्तरीय क्रीड़ा महोत्सव एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया है। यह आयोजन 21, 22 एवं 23 जनवरी 2026 को सोनोपंत दांडेकर महाविद्यालय, खारेकुरण रोड, पालघर में संपन्न होगा।

क्रीड़ा महोत्सव का उद्घाटन समारोह बुधवार, 21 जनवरी 2026 को सुबह 10 बजे आयोजित किया जायेगा। इस प्रतियोगिता में तहसील स्तर पर आयोजित खेलों में विजयी खिलाड़ी एवं जिला स्तर पर चयनित खिलाड़ी भाग लेंगे, वहीं इसी अवधि में जिला स्तरीय अंतिम मुकाबले भी खेले जायेंगे।

इस क्रीड़ा महोत्सव में कबड्डी, खो-खो, क्रिकेट, गोला फेंक, थाली फेंक, कैरम, बैडमिंटन, शतरंज, म्यूजिकल चेयर, दौड़, रिले दौड़ सहित अनेक खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिसमें खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा और कौशल का प्रदर्शन करेंगे।

खेल प्रतियोगिताओं के साथ-साथ शुक्रवार, 23 जनवरी 2026 को शाम 6 बजे इसी परिसर में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है, जिसमें अधिकारी व कर्मचारी अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। इसी क्रम में गुरुवार, 22 जनवरी 2026 को सुबह 10.30 बजे से दोपहर 3.30 बजे तक कृषि एवं पशुसंवर्धन विभाग, जिला परिषद पालघर तथा पंचायत समिति पालघर के संयुक्त तत्वावधान में कृषि व्यवसाय एवं पशुसंवर्धन विषयक प्रशिक्षण शिविर एवं कृषि मेला आयोजित किया गया है।

लॉस एंजेलिस में अंडर-12 फ्रेंचाइज़ी क्रिकेट टूर्नामेंट में प्राइम गलेडिएटर्स की कप्तानी करेंगे कुनाल यादव

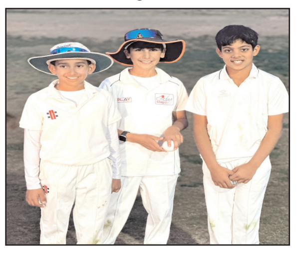

मुंबई (उत्तरशक्ति)। लॉस एंजेलिस (यूएसए) अमेरिका में जूनियर क्रिकेट को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एलए प्रीमियर माइनर क्रिकेट लीग के तत्वावधान में 12 वर्ष से कम आयु वर्ग (अंडर-12) के खिलाड़ियों के लिए फ्रेंचाइजी आधारित क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया है। इस टूर्नामेंट में चार टीमें - प्राइम ग्लैडिएटर्स, रॉयल टाइटन्स, कैली रेडर्स और एवेंजर्स भाग ले रही हैं। 80 से अधिक पंजीकृत खिलाड़ियों में से खिलाड़ी नीलामी (प्लेयर बिडिंग) के माध्यम से कुल 52 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। ये खिलाड़ी कैलिफोर्निया सहित अमेरिका के विभिन्न राज्यों से हैं। सभी मुकाबले 25-25 ओवर के होंगे और पिंक बॉल से खेले जाएंगे। कुछ मैच डे-नाइट प्रारूप में आयोजित किए जाएंगे। टूर्नामेंट के सभी मैचों का यूट्यूब पर लाइव प्रसारण किया जाएगा। प्रतियोगिता की विजेता टीम को 1200 डॉलर तथा उपविजेता टीम को 500 डॉलर की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त कई व्यक्तिगत पुरस्कार भी खिलाड़ियों को दिए जाएंगे। प्राइम ग्लैडिएटर्स टीम की कप्तानी कुनाल यादव करेंगे, जबकि क्रिश विनोद मूर्ति उपकप्तान की भूमिका निभाएंगे। आयोजकों ने इस टूर्नामेंट को अमेरिका में युवा क्रिकेट के विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल बताया है।

नालासोपारा में बिक्री के लिए नेपाल से गांजा लाने के आरोप में तीन लोग गिरफ्तार एंटी-नारकोटिक्स सेल दो का कारवाई

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा में विगत 17/01/2026, के जब नारकोटिक्स सेल दो के टीम ने तुलिंज पुलिस स्टेशन सीमा में रहमत नगर, नालासोपारा पूर्व में गश्त कर रही थी, तभी एक मोहम्मद चांद अख्तर अली फकीर, उम्र 26 वर्ष, निवासी सोहपुर, पो. नन्हैया बाजार, ता, नन्हैया, जिला मधुबनी, राज्य बिहार, दुसरा मो. शाकिर तसलीम फकीर, उम्र 26 वर्ष, निवासी- ग्राम। सोहपुर, पो. नन्हैया बाजार, ताल, नन्हैया, जिला मधुबनी, राज्य बिहार, तीसरा रंजन कुमार शिवनारायण साफी, उम्र 32 वर्ष, निवासी- ग्राम। सोहपुर, पो. नन्हैया बाजार, ताल, नन्हैया, जिला मधुबनी, बिहार राज्य की संदिग्ध गतिविधियां दिखने पर दो अधिकारियों की मौजूदगी में तलाशी ली गई। कुल 14 किलो 37 ग्राम गांजा उसके पास से बरामद किए गए, जिसकी कीमत 2,80,740/- रुपये बताई जा रही है।

आरोपियों से आगे पूछताछ करने पर पता चला कि उन्होंने उपर्युक्त जब्त गांजा नेपाल से खरीदा था और उसे गुप्त रूप से रहमत नगर, नालासोपारा ईस्ट में बेचने के लिए लाया था। तुलिंज पुलिस स्टेशन में तीनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम 1985 के तहत मामला दर्ज कर लिया है और तुलिंज पुलिस द्वारा आगे की जांच की जा रही है। उपरोक्त कार्य निकेत कौशिक, पुलिस आयुक्त, दत्तात्रेय शिंदे, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, संदीप डोयफोडे, पुलिस उपायुक्त (अपराध), मदन बल्लाल, सहायक पुलिस आयुक्त (खुलासा) और मादक द्रव्यों के विरोधी प्रकोष्ठ दो के प्रभारी पुलिस निरीक्षक ऋषिकेश पावल, सहायक पुलिस निरीक्षक सागर शिंदे, सफौ उमेश गवई, सफौ आसिफ मुल्ला, पोहवा चव्हाण, चालक पोहवा सुनील पागी, पोअम राजकुमार गायकवाड़, नितिन राठौड़, अंगद मुले, अजीत नौकर और किरण रसाल ने उत्कृष्ट ढंग से कारवाई किया है।

समरस फाउंडेशन ने किया समाजसेवी भवन निर्माता राजेश सिंह का सम्मान

भायंदर (उत्तरशक्ति)। महानगर की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था समरस फाउंडेशन द्वारा आज भवन निर्माण के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान रखने वाले राज रीयल्टी ग्रुप के सीएमडी तथा समाजसेवी भवन निर्माता राजेश सिंह का उनके जन्मदिन पर सम्मान किया गया। संस्था के महासचिव तथा वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे ने शॉल एवं पुष्प गुच्छ से उनका सम्मान किया। इस अवसर पर भवन निर्माता सुरेंद्र उपाध्याय, भाजपा युवा नेता सुरेश सिंह, महापालिका चुनाव में उत्तर भारतीय युवा चेहरा कहे जाने वाले नगरसेवक विवेक उपाध्याय, भाजपा जिला महामंत्री कमलेश दुबे, ओमप्रकाश सिंह सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। आज सुबह से ही उन्हें जन्मदिन की बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह, राहुल एजुकेशन के चेयरमैन लल्लन तिवारी कथा विधायक नरेंद्र मेहता ने फोन द्वारा उन्हें शुभकामनाएं दीं। मीरा रोड पूर्व के विजय पार्क स्थित राज रीयल्टी के मुख्यालय पर आयोजित जन्मदिन समारोह में पहुंच कर शुभकामनाएं देने वालों में पूर्व महापौर व नगरसेविका निर्मला सावले, नगरसेविका एडवोकेट मयूरी म्हात्रे, वरिष्ठ नगरसेवक ध्रुव किशोर पाटिल, वरिष्ठ नगरसेवक सुरेश खंडेलवाल, वरिष्ठ नगरसेवक मनोज रामनारायण दुबे, नगरसेवक आनंद मांजरेकर नगरसेवक मोहन म्हात्रे, पूर्व नगर सेवक सचिन म्हात्रे, श्री शनि मंदिर धाम के महंत शास्त्री सुरेश गुरु ओझा, समाजसेवी ब्रह्मदेव सिंह, शशिकांत पांडे, आधार फाउंडेशन के अध्यक्ष मनोजचतुर्वेदी,जौनपुर के भरसठ गांव के ग्राम प्रधान विपिन सिंह, पत्रकार राकेश दुबे, पंडित राजेश्वर शास्त्री, प्रेम चौहान, बिल्डर मुकेश परमार, राकेश सिकरवार,अजय ठाकुर, आलोक सिंह, रमेश मिश्रा विनोद दुबे, रेनू मल्लाह, पूजा विश्वकर्मा, सीमा रजक, जय प्रकाश पांडेय राजीव पांडेय समेत अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे।

टाटा मोटर्स ने अगली पीढ़ी के 17 ट्रकों को लॉन्च किया, सुरक्षा, मुनाफे और प्रगति के लिए नए मानक स्थापित किए

ठाणे (उत्तरशक्ति)। भारतीय ट्रकिंग के परिदृश्य को बदलने वाले एक ऐतिहासिक कदम में, टाटा मोटर्स, भारत का सबसे बड़ा वाणिज्यिक वाहन निर्माता और मोबिलिटी समाधान प्रदाता, ने आज 7 से 55 टन तक की क्षमता वाले 17 ट्रकों का अपना अगली पीढ़ी का पोर्टफोलियो लॉन्च किया, जो सुरक्षा, लाभ और प्रगति में नए मानक स्थापित करता है। यह व्यापक लॉन्च नई अजुरा सीरीज, अत्याधुनिक टाटा Trucks.ev रेंज, और मशहूर प्राइमा, सिग्ना तथा अल्ट्रा प्लेटफॉर्म्स में महत्वपूर्ण अपग्रेड पेश करता है। ये ट्रक दुनिया के कड़े सुरक्षा नियमों (ECE R29 03) के हिसाब से बने हैं और इनका मकसद ट्रांसपोर्टर्स की बचत बढ़ाना, रखरखाव का खर्चा कम करना और काम को आसान बनाना है।

नए ट्रकों को लॉन्च करते हुए, श्री गिरीश वाघ, एमडी एवं सीईओ, टाटा मोटर्स लिमिटेड ने कहा, भारत में ट्रकिंग का क्षेत्र सरकारी नीतियों, बेहतर सड़कों और सुरक्षित व साफ-सुथरे ट्रांसपोर्ट की मांग के कारण तेजी से बदल रहा है। टाटा मोटर्स ने हमेशा से इस बदलाव में आगे रहकर नए बेंचमार्क स्थापित किए हैं जोकि इंडस्ट्री के भविष्य को आकार देते हैं। इसी सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए हमने अपनी अगली पीढ़ी के ट्रक पेश किए हैं, जिनमें नई 'अजुरा' सीरीज, दो उन्नत शक्तिशाली उच्च दक्षता पावरट्रेन, भारत के व्यापक जीरो एमिशन वाले इलेक्ट्रिक ट्रकों की रेंज और हमारे नए I-MOEV आर्किटेक्चर पर आधारित टिपर रेंज और यूरोपीय मानकों वाले कैबिन एवं उद्योग में अग्रणी सुरक्षा फीचर्स, ज्यादा पेलोड और ईंधन दक्षता में उल्लेखनीय अपग्रेड शामिल हैं। इन ट्रकों को फ्लीट एज डिजिटल सेवाओं से भी जोड़ा गया है ताकि इन्हें चलाना और ट्रैक करना आसान हो। हमारा 'हमेशा बेहतर करने' (बेटर ऑलवेज) का विचार हमें हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। हम नई चीजें बनाने में लगातार मेहनत करते हैं, स्थानीय उत्पादन पर ज्यादा ध्यान देते हैं, और ग्राहकों की सफलता पर मजबूती से फोकस रखते हैं।

ये सब 'आत्मनिर्भर भारत' के सपने को साकार करते हैं, जो भारत को आत्मनिर्भर बनाने में मदद करता है और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन में लीडर बनने की इच्छा को मजबूत करता है।

समदिया हाई स्कूल की ओर से 52वीं मराठी वक्तृत्व प्रतियोगिता में विद्यार्थियों में देखा गया मराठी भाषा का सम्मान

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। शहर की भिवंडी वीवर्स एजुकेशन सोसायटी द्वारा संचालित समदिया उर्दू हाई स्कूल एवं कनिष्ठ महाविद्यालय की ओर से आयोजित अंतर-विद्यालयी मराठी वक्तृत्व प्रतियोगिता हाल ही में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बताते कि महाराष्ट्र की राजभाषा मराठी के प्रति प्रेम, रुचि और सम्मान उत्पन्न करना तथा सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देना-इन उद्देश्यों के साथ यह वक्तृत्व प्रतियोगिता पिछले 52 वर्षों से लगातार आयोजित की जा रही है। उर्दू माध्यम की शाला द्वारा मराठी भाषा की अस्मिता को संजोने वाले इस उपक्रम की विभिन्न स्तरों पर सराहना की जा रही है। इस प्रतियोगिता में उर्दू, मराठी, हिंदी, तेलुगु एवं अंग्रेजी माध्यम की कुल 38 शालाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन संस्था के सह-सचिव मोमिन सिराज अहमद की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका शिक्षा विभाग के प्रशासन अधिकारी सौदागर शिखरे, शोएब इंजीनियर, आतिफ खान तथा हिना मैडम प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित थे। प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में संदीप तांडेल, अर्शिया मैडम एवं नबीना मैडम ने अपनी उत्कृष्ट भूमिका निभाई। विद्यालय के प्रधानाचार्य साजिद सिद्दीकी ने अतिथियों का स्वागत किया, जबकि उपप्रधानाचार्य अंसारी नियाज ने विजेताओं के नामों की घोषणा की। कार्यक्रम का संचालन नौशेर देशमुख एवं अकील शेख ने संयुक्त रूप से किया तथा अकबर पिंजारी ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की सफलता के लिए शेख जुल्फिकारुदीन एवं श्रीमती मोमिन जमर ने विशेष परिश्रम किया। विजेताओं को मोमिन वेलफेयर सोसायटी (मोमिन जमात खाना) की ओर से मराठी वक्तृत्व प्रतियोगिता के साथ-साथ अंतर-विद्यालयी चित्रकला प्रतियोगिता के पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

बोर्डी में एन.ई.पी.ए.डी.ओ. द्वारा विद्यालय को सतरंजी भेंट

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के वसई तहसील अंतर्गत बोर्डी क्षेत्र में नैसर्गिक पर्यावरण संवर्धन और मानवता विकास समिति (N.E.P.A.D.O.), महाराष्ट्र राज्य द्वारा एक सराहनीय सामाजिक एवं शैक्षणिक उपक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सोमवार 19 जनवरी 2026 को आचार्य भिसे शिक्षण संस्था के वनराव्या काकूभाई लाखाणी माध्यमिक विद्यालय, बोरीगांव (बोर्डी) में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का नेतृत्व समिति के पालघर जिला अध्यक्ष विलास वर्तक ने किया। कार्यक्रम के अंतर्गत समिति की ओर से विद्यालय को पाँच सतरंजी भेंट की गईं। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना एवं स्वागत गीत से हुई, जिससे वातावरण में उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ। इस अवसर पर शेष सतरंजियां हेतु विलास वर्तक के भाचे अभिजीत सावे एवं आदित्य सावे ने अपने माता-पिता स्वर्गीय सुरेश कुशा सावे, स्वर्गीय सुरेखा सुरेश सावे तथा स्वर्गीय मालती लक्ष्मण हामंद की स्मृति में दान देकर महत्वपूर्ण योगदान दिया। दिवंगतों की स्मृति में किया गया यह सेवा कार्य उपस्थितजनों के लिए प्रेरणादायी रहा। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय में पर्यावरण विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। प्रतियोगिता के उत्कृष्ट चित्रों का चयन वसई तहसील अध्यक्ष रेखा चोरघे एवं उपाध्यक्ष अलका चोरघे द्वारा किया गया।

प्रतियोगिता में प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों सहित उत्तेजनार्थ पौर्णिमा, विजय, संगीता एवं शिवराज को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। संस्था के महाराष्ट्र राज्य सचिव बापू परब ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर मार्गदर्शन करते हुए प्रकृति संरक्षण को जीवन का अभिन्न अंग बनाने का संदेश दिया कार्यक्रम में संस्था की पालघर महिला अध्यक्ष सोनल पाटील, सांस्कृतिक समिति उपाध्यक्ष मीना ठाकोर, संघटक गीता पाटील, डहाणू तहसील अध्यक्ष सरिता सावे, पालघरडुतारापुर सदस्य मेघना वैराल सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। विद्यालय की ओर से संस्था अध्यक्ष विजय म्हात्रे, कार्यवाह भूपेंद्र सावे, मुख्याध्यापिका पौर्णिमा राऊत, कार्यकारिणी सदस्य जगदीश राऊत, संतोष चुरी, वैभव सावे एवं शिक्षकगण उपस्थित थे। समाजसेवक श्रीकांत पाटील ने भी कार्यक्रम के लिए विशेष सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सर्व सहायक शिक्षक विद्या सावंत ने विस्तारपूर्वक आभार प्रदर्शन करवाई। अंत में समिति की ओर से सभी पदाधिकारियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों, दानदाताओं एवं सहयोगकर्ताओं का हार्दिक आभार व्यक्त किया गया।

उत्तरशक्ति

* संपादक: ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादक: प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादक: डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)

मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

दसवीं-बारहवीं परीक्षाओं के लिए नकलमुक्त अभियान

पारदर्शी व भयमुक्त परीक्षा सुनिश्चित करने प्रशासन पूरी तरह तैयार

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षा मंडल की ओर से फरवरी/मार्च 2026 में आयोजित होने वाली कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं को नकलमुक्त, पारदर्शी और अनुशासित वातावरण में संपन्न कराने के लिए विशेष नकलमुक्त अभियान प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश दिए गये हैं। इस संबंध में मुंबई विभागीय मंडल के विभागीय सचिव द्वारा सभी स्कूलों एवं कनिष्ठ महाविद्यालयों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं इस अभियान के तहत जिला परिषद पालघर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे एवं शिक्षणाधिकारी (माध्यमिक) अशोक पाटील ने संयुक्त रूप से स्कूल प्रशासन, शिक्षक, अभिभावक और विद्यार्थियों से अनुशासित सहभागिता की अपील की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 12वीं की लिखित परीक्षा 10 फरवरी से 18 मार्च 2026 तक तथा 10वीं की परीक्षा 20 फरवरी से 18 मार्च 2026 तक आयोजित की जायेगी। परीक्षाओं के दौरान किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोकने के लिए परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे, सतर्कता पथक तथा केंद्रस्तरीय निगरानी व्यवस्था को और अधिक सशक्त किया जायेगा। नकलमुक्त अभियान के अंतर्गत स्कूलों एवं कनिष्ठ महाविद्यालयों को निर्देशित किया गया है कि वे विद्यार्थियों को परीक्षा के दौरान क्या करें और क्या न करें की स्पष्ट जानकारी दें, पालक-विद्यार्थी बैठक आयोजित कर दंडात्मक प्रावधानों से अवगत कराएं तथा अफवाहों से दूर रहने के लिए जनजागृति करें।

जिला परिषद पालघर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने कहा कि सभी स्कूल, शिक्षक, अभिभावक और विद्यार्थी प्रशासन का सहयोग करें, ताकि नकलमुक्त और पारदर्शी परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। भयमुक्त वातावरण में विद्यार्थी अपनी गुणवत्ता सिद्ध कर सकें, इसके लिए प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है। शिक्षणाधिकारी (माध्यमिक) ने स्पष्ट किया कि विद्यार्थी किसी भी अफवाह पर विश्वास न करें और केवल आधिकारिक निर्देशों का ही पालन करें। मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, पर्चियां या कोई भी अनधिकृत सामग्री परीक्षा केंद्र में ले जाना सख्त वर्जित रहेगा। स्कूलों को आवश्यक सुविधाएं, अनुशासन एवं कड़ी निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गये हैं। इसके साथ ही परीक्षा केंद्रों पर स्वच्छ पेयजल, स्वच्छ शौचालय, पर्याप्त प्रकाश, बैठक व्यवस्था और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के स्पष्ट निर्देश जारी किये गये हैं।

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुद्रित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हा. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

नवाचार की उड़ानः स्टार्टअप संस्कृति से गढ़ें आत्मनिर्भर भारत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ द्वारा नवाचार एवं उद्यमिता विकास पर विशेष व्याख्यान का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता दून विश्वविद्यालय, देहरादून के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के डीन प्रो. एच. सी. पुरोहित ने छात्रों को प्रेरित करते हुए नवाचार की सोच विकसित करने, उद्यमिता के अवसरों की पहचान करने तथा स्टार्टअप संस्कृति अपनाकर आत्मनिर्भर बनने पर बल दिया। उन्होंने कहा, ₹वर्तमान समय में उद्यमिता युवाओं के लिए रोजगार सृजन के साथ राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम है। भगवान श्रीकृष्ण से स्टीव जॉब्स तक के जीवन से प्रेरणा लें–चुनौतियां सभी के जीवन में आती हैं, महत्वपूर्ण है उनसे सीख लेकर आगे बढ़ना। आने वाला युग नवाचार और उद्यमशीलता का है। आज विकल्प अनेक हैं, आप आगे आएं और देश का नाम रोशन करें। व्याख्यान के दौरान छात्रों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की तथा स्टार्टअप, नवाचार, कौशल विकास एवं करियर से जुड़े प्रश्न पूछे, जिनका प्रो. पुरोहित ने व्यावहारिक उदाहरणों से समाधान दिया। कार्यक्रम के अंत में सीटीसीपी के निदेशक प्रो. प्रदीप कुमार ने मुख्य वक्ता, विश्वविद्यालय प्रशासन, शिक्षकगण एवं सभी उपस्थित छात्र-छात्राओं का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों को उद्योग जगत की मांगों से जोड़ते हैं तथा भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं। इस अवसर पर कार्यालय प्रभारी श्याम त्रिपाठी तथा छात्र सदस्य दिव्यांशु संजय, रुद्रांश चतुर्वेदी उपस्थित रहे।

अजय की मौजूदगी से गर्म रहा जौनपुर का राजनीतिक पारा

0- कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के जौनपुर में मौजूदगी ने पूरे दिन गर्म रहा जौनपुर का राजनैतिक पारा

0- संघ, भाजपा और सरकार के साजिश से रोज लहू लुहान हो रहा है हिंदू धर्म- अजय राय

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भाजपा सरकार अपने पूंजीपतियों और गुजराती ठेकेदारों को बनारस को कब्जा कराने के लिए ऐतिहासिक धरोहरों, मंदिरों, देवी-देवताओं की मूर्तियां और पूज्यमाता अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमाओं को तोडकर मलबे में फेंक दिया गया। उक्त बातें कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मंगलवार को जौनपुर शहर के इंग्लिश क्लब में कांग्रेस नेता विकेश उपाध्याय द्वारा डा.काशीनाथ उपाध्याय के ग्यारहवें पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में प्रेस प्रतिनिधियों द्वारा पूछे गये सवालो के जवाब में कहा। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि भाजपा काशी को गुजरातियों का अड्डा बना देना चाहती है, अपने पूंजीपतियों और उद्योगपतियों को बनारस में स्थापित करने के लिए काशी के मणिकर्णिका घाट की प्राचीन विरासतों को तोड रही है, ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पर प्रयागराज में मेरे में हुई पुलिसिया कार्यवाही के खिलाफ बोलते अजय राय ने कहा कि वे सनातन धर्म के शंकराचार्य है उनका विधिवत पट्टाभिषेक हुआ है, शंकराचार्य योगी आदित्यनाथ की हिंदू विरोधी कृत्यों के खिलाफ आवाज उठाते रहते हैं, अपने खिलाफ उठने वाली आवाज को दबाने के लिए साधु संतों पर लाठीचार्ज कराकर हिंदू धर्म को रोज लहूलुहान किया जा रहा है। इंग्लिश क्लब में विकेश उपाध्याय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अजय राय ने मरीजों और गरीबों को दवा, चश्मा,व और कंबल वितरित किया।कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के जौनपुर आगमन पर कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह ने लखनऊ वाराणसी हाइवे शिवापार के पास सैकड़ों कार्यकर्ता के साथ प्रदेश अध्यक्ष का जोरदार स्वागत हुआ। अजय राय ने कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष राकेश सिंह डब्बू के घर शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी तिलकधारी निषाद के घर पहुंच कर उनका कुशल क्षेम जाना। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आरिफ खान के पिताजी के देहांत के उपरांत उनके मिट्टी में शामिल हुए। केराकत क्षेत्र के शेखजादा मोहल्ला निवासी फिजियोथेरेपिस्ट समीर हाशमी की विगत दिनों चाइनीज मंझे से गला कटने से हुई मौत पर शोक संवेदना व्यक्त करने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रास्ते में जगह जगह पर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का जोरदार स्वागत किया।इस मौके पर संगठन प्रभारी राकेश मिश्रा,वरिष्ठ कांग्रेस नेता देवराज पांडेय, अरुण शुक्ला, शेर बहादुर सिंह, इरशाद खान, पंकज सोनकर,विनय तिवारी ,शिव मिश्र, जब्बार अली सलमानी, आरिफ सलमानी, बबलू गुप्ता, शहनवाज मंजूर,सहित लोग मौजूद रहे।

चोरी की दो मोटरसाइकिल के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थानाध्यक्ष अनिल कुमार मय हमराह द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर कुंवरपुर बंधवा रोड़ से दो आरोपीगण सोनू गौतम ,आदर्श कुमार गौतम को चोरी की 02 मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0-12/2026 धारा 317(2)/318(4) इठर पंजीकृत किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण उपरोक्त को विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्याया0 के समक्ष भेजा गया।

बरसठी में युवक पर लाठी-डंडों से हमला, जान से मारने की धमकी

बरसठी, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना बरसठी क्षेत्र के ग्राम कांदबंशीपुर में मारपीट की एक गंभीर घटना सामने आई है। गांव निवासी नंद कुमार दुबे ने आरोप लगाया है कि दिनांक 18 जनवरी 2026 को शाम करीब 5 बजे गांव के ही राज पुत्र दुबे तथा उसके साथ दो-तीन अज्ञात लोगों ने उनके साथ गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से हमला कर दिया। पीड़ित के अनुसार, अचानक हुए इस हमले में उन्हें गंभीर चोटें आईं। आसपास के लोगों के पहुंचने पर हमलावर मौके से फरार हो गए, लेकिन जाते-जाते जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद से पीड़ित और उसका परिवार दहशत में है। पीड़ित नंद कुमार दुबे ने थाना बरसठी में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। गांव में इस घटना को लेकर आक्रोश का माहौल है और ग्रामीणों ने प्रशासन से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवती ने फांसी लगाकर दी जान

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के एकौना गांव में मंगलवार की सुबह एक 21 वर्षीय युवती ने संदिग्ध परिस्थितियों में घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार, एकौना गांव निवासी सिपी कश्यप (21) का शव सुबह घर के भूसे वाले कमरे में कुंडे के सहारे दुपट्टे से लटकता मिला। सुबह जब उसकी मां गीता देवी कमरे की ओर गईं, तो बेटी का शव लटकता देख उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। मां के शोर मचाने पर परिवार के अन्य सदस्य और ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष प्रवीण यादव ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को नीचे उतरवाया। पुलिस ने पंचनामा भर कर शव को पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भेज दिया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष प्रवीण यादव ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। मौत का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। उन्होंने कहा कि यदि परिजनों की ओर से कोई तहरीर मिलती है, तो उसके आधार पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सहकारी समितियो के माध्यम से सदस्यों को ऋण उपलब्ध कराए जिला सहकारी बैंक की बैठक सोमी सिंह

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आज विकास भवन जौनपुर के सभागार मे सहकारिता विभाग की जनपद स्तरीय बैठक संयुक्त आयुक्त एवं संयुक्त निबंधक वाराणसी मंडल सोमी की अध्यक्षता मे सम्पन्न हुई। जिसमें जनपद मे सहकारी समितियों मे उर्वरक उपलब्धता निरंतर बनाए रखने हेतु सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता को निर्देशित किया गया। जनपद मे सहकार से समृद्धि की दिशा मे नए नए व्यवसाय समितियो के माध्यम से करने तथा अधिक से अधिक नई समितियो का गठन करते हुए। उन्हें क्रियाशील करते हुए गुणवत्ता युक्त उर्वरक तथा अन्य व्यवसाय करने हेतु प्रेरित करने का निर्देश विभागीय अधिकारियो कर्मचारियों को दिया गया। बैठक मे ब्रजेश पाठक ,ए आर को ऑपरेटिव आशुतोष त्रिपाठी ,महाप्रबंधक जिला सहकारी बैंक, जिला प्रबंधक पी सी एफ सुधीर कुमार पाण्डेय, ए आर कंज्यूमर रजनीश पाण्डेय ,राधेश्याम यादव ,अंकित कावरा, आशीष सिंह ,ए डी सी ओ ब्रह्म जीत सिंह ,विपिन कुमार यादव,ए डी ओ सहित जिला सहकारी बैंक जौनपुर के सभी शाखा प्रबंधको सहित अन्य ए डी सी ओ ए डी ओ सहित विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे।

नील गाय से भिड़कर बाइक सवार घायल

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के जौनपुर आजमगढ़ हाईवे पर बिथार पेट्रोल पंप के पास सोमवार रात को नील गाय से भिड़कर बाइक सवार घायल हो गया। जिसे जौनपुर शहर स्थित एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है। गौराबादशाहपुर कस्बा के साधुनगर मोहल्ले के निवासी 50 वर्षीय दिलीप सिंह उर्फ पिंटू सिंह बाइक से जौनपुर शहर किसी काम से जा रहे थे। वह जैसे ही बिथार पेट्रोल पंप के आगे पहुंचे थे कि अचानक सड़क पर नील गाय आ गई। जिससे वह टकराकर अनियंत्रित होकर बाइक सहित सड़क पर गिर गए। हेलमेट पहनने की वजह से सर में चोट तो नहीं आई लेकिन हाथ, पैर और कमर में चोट आई है।

पुलिस ने चार लोगों पर मारपीट का मुकदमा दर्ज किया

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के बक्शा थाना क्षेत्र के उतरेजपुर गांव में पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मारपीट का मुकदमा दर्ज किया है। यह कार्रवाई जमीन विवाद को लेकर हुई शिकायत के बाद की गई है। गांव निवासी कैलाश यादव ने 18 जनवरी को स्थानीय थाने में लिखित तहरीर दी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके पड़ोसी बाबूराम यादव, दयाराम (पुत्रगण स्वर्गीय भूईधर यादव) और कृष्ण कुमार व बलराम यादव (पुत्रगण बाबूराम यादव) उनकी जमीन पर जबरन निर्माण कर रहे थे। कैलाश यादव के अनुसार, जब उन्होंने आरोपियों को रोका, तो उन्होंने कथित तौर पर गाली-गलौज की और लाठी-डंडों से उन पर हमला कर दिया। इस हमले में कैलाश यादव को चोटें आईं। आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी और मौके से फरार हो गए। थानाध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण सिंह ने बताया कि शिकायत के आधार पर बाबूराम यादव, दयाराम, कृष्ण कुमार और बलराम यादव के खिलाफ धारा 115(2), 352 और 351(3) के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है। पुलिस ने मामले में आगे की कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है।

हरहुआ में फिर टूटा तीन गोमती का ताला, दुकानदारों में दहशत

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं ने ग्रामीणों और दुकानदारों की नींद उड़ा दी है। बताते चले कि बड़ागांव थाना क्षेत्र के हरहुआ पुलिस चौकी अंतर्गत एक बार फिर गोमती का ताला तोड़कर चोरों ने दुकानों को निशाना बनाया, जिससे पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया है। उल्लेखनीय है कि हरहुआ पुलिस चौकी के नए चौकी इंचार्ज विवेकानंद द्विवेदी ने जैसे ही कार्यभार संभाला, वैसे ही तीन गोमती के ताले तोड़कर दुकानों में चोरी की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बीते एक माह के भीतर यह चोरी की आठवीं वारदात है, जो कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। स्थानीय दुकानदारों और ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में पुलिस गश्त न के बराबर है। रात के समय चौकी क्षेत्र में सन्नाटा पसरा रहता है, जिसका फायदा उठाकर चोर बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। पीड़ित दुकानदारों का कहना है कि बार-बार शिकायत के बावजूद ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है। लगातार हो रही चोरियों से व्यापार ग्रामीणों में भय का माहौल है। लोगों ने पुलिस प्रशासन से रात्रि गश्त बढ़ाने और चोरों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है, ताकि क्षेत्र में सुरक्षा का भरोसा बहाल हो सके।

चितईपुर में ऑटो चालक की गला रेतकर हत्या, आरोपी दबोचा गया

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के चितईपुर क्षेत्र में सोमवार देर रात सनसनीखेज हत्या हो गई। सुंदरपुर स्थित मधुबन लॉन के पास एक ऑटो चालक का गला ब्लेड से रेतकर कत्ल कर दिया गया। पैसों के विवाद में हुए इस हमले के बाद आरोपी भागने लगा, लेकिन दुकानदारों की सतर्कता से पकड़ा गया। पुलिस पर चाकू से हमला करने की कोशिश के बाद कंबल डालकर उसे काबू किया गया। आरोपी विष्णु को हिरासत में ले लिया गया है, जबकि मृतक की पहचान जारी है। पुलिस जांच में जुटी है।

एसआईआर को लेकर तहसील प्रशासन सक्रिय, बीएलओ व एईआरओ को मिला हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील प्रशासन ने एसआईआर को लेकर बैठक कर बीएलओ सुपरवाइजर और एईआरओ का प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार को आयोजित हुआ। तहसील क्षेत्र के खुटहन ब्लाक के सभागार में उपजिलाधिकारी कुणाल गौरव ने एसआईआर पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत तेजी लाने हेतु बीएलओ, सुपरवाइजर और एईआरओ के साथ एक बैठक किया। सुइथाकला ब्लाक के सभागार में तहसीलदार/एईआरओ आशीष कुमार सिंह ने और तहसील सभागार में नायब तहसीलदार राहुल सिंह ने बैठक किया। बैठक के दौरान प्रशिक्षण में सभी कर्मचारियों को एसआईआर नोटिस निस्तारण एवं फार्म 6, 7 एवं 8 से संबंधित विस्तृत

राज्य सेक्टर के अन्तर्गत मुख्यमंत्री राज्य औद्यानिक विकास योजना के तहत किसानों को मिलेगा लाभ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला उद्यान अधिकारी, डॉ. सीमा सिंह राणा ने बताया कि राज्य सेक्टर के अन्तर्गत मुख्यमंत्री राज्य औद्यानिक विकास योजना के तहत जनपद को विभिन्न कृषि गतिविधियों के लिए लक्ष्य आवंटित किया गया है, जिसका उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि करना और बागवानी क्षेत्र को बढ़ावा देना है। इस योजना के तहत, जौनपुर जनपद में संकर सब्जी की खेती के लिए 85 हेक्टेयर, एच0डी0पी0ई0 वर्मी बेड 15 (संख्या मे), मौनपालन-9 (संख्या मे) मल्चिंग 15 हेक्टेयर मचान 15 हेक्टेयर, मसाला खेती के लिए 08 हे0 एवं फिन्सिंग 5400 रनिंग मीटर के लिए लक्ष्य निर्धारित किया गया है। डॉ. राणा ने बताया कि इन योजनाओं का लाभ लेने के इच्छुक किसान किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय आकर अपना पंजीकरण करा सकते हैं। पंजीकरण के लिए किसानों को अपना आधार कार्ड, बैंक पासबुक, खतौनी और दो पासपोर्ट आकार के फोटो साथ लाने होंगे। यह पहल जौनपुर के किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने और अपनी उपज में सुधार करने का एक सुनहरा अवसर प्रदान करेगी, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। विभाग द्वारा संचालित समस्त योजनाओं का लाभ प्रथम आवक प्रथम पावक के आधार पर दिया जायेगा। अधिक जानकारी के लिए, किसी भी कार्य दिवस में किसान जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय, जौनपुर से संपर्क कर सकते हैं।

अखिलेश सिंह उर्फ अखई का शाखा प्रतिनिधि चुना जाना तय

यूपी सहकारी समिति के भूमि विकास बैंक की केराकत शाखा के प्रतिनिधि का होना था चुनाव

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश सहकारी भूमि विकास बैंक की केराकत शाखा प्रतिनिधि के लिए मंगलवार को नामांकन हुआ। जिसमें आखिरी समय तक एक मात्र नामांकन अखिलेश चन्द्र सिंह ने किया।

अखिलेश के नाम का प्रस्ताव निवर्तमान डायरेक्टर अंजना श्रीवास्तव ने किया। शाखा प्रतिनिधि के लिए अखिलेश चन्द्र सिंह उर्फ अखई के अकेले नामांकन से उनका निर्विरोध चुना जाना तय है। यूपी सहकारी भूमि विकास बैंक की निवर्तमान डायरेक्टर अंजना श्रीवास्तव ने बताया कि बुधवार को नामांकन फार्म की स्क्रूटनी के बाद शाखा प्रतिनिधि के नाम की औपचारिक घोषणा के बाद प्रमाण पत्र प्रदान कर दिया जायेगा। नामांकन के अवसर पर डॉ.नृपेंद्र कुमार सिंह, बालेन्द्र सिंह, संजय सिंह, डॉ. नरसिंह बहादुर सिंह, रामदयाल सिंह, नंदलाल प्रजापति, निरंजन यादव, श्याम सुन्दर यादव, बृजेश सिंह, अनिल पांडेय, सदानन्द राय, रणजीत सिंह, अजय सोनकर शास्त्री, संजय पाण्डेय आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गद्दोपुर गांव में चोरों का तालातोड़ तांडव, दो घरों से नकदी व जेवरात पार

गौराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के गद्दोपुर गांव में बीती रात बेखौफ चोरों ने दो घरों को निशाना बनाते हुए चोरी की बड़ी घटना को अंजाम दिया। चोरों ने एक बंद घर का ताला तोड़ा, वहीं दूसरे घर में गृहस्वामी को कमरे में बाहर से बंद कर नकदी और जेवरात समेट ले गए। एक ही रात में हुई दो चोरियों से गांव में दहशत का माहौल है।

बंद घर को बनाया निशानाः जानकारी के अनुसार, गांव निवासी तारा देवी अपने घर में ताला बंद कर वाराणसी अपने बेटे के पास गई हुई थीं। सूना घर पाकर चोरों ने मुख्य द्वार का ताला तोड़ दिया और अंदर दाखिल हो गए। चोरों ने घर के कमरों को खंगालते हुए वहां रखी लगभग 2000 रुपये की नकदी पर हाथ साफ कर दिया।

कमरे में कैद कर की लूटपाटः चोरी की दूसरी वारदात इसी गांव की निर्मला देवी के घर हुई। निर्मला देवी अपने पति अरविंद के साथ घर के बरामदे में सो रही थीं। इसी बीच चोरों ने चालाकी से बरामदे का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया ताकि कोई बाहर न निकल सके। इसके बाद चोरों ने कमरे में रखी अलमारी का लॉक तोड़कर उसमें रखे दो सोने की चेन, एक सोने का हार, 10,000 रुपये नकद और कुछ कीमती कपड़े चोरी कर लिए।

सुबह खुला राज, जांच में जुटी पुलिसः मंगलवार सुबह जब गृहस्वामी की आंख खुली और उन्होंने दरवाजा बाहर से बंद पाया, तब उन्हें अनहोनी की आशंका हुई। शोर मचाने पर पहुंचे पड़ोसियों ने दरवाजा खोला। अंदर का नजारा देख परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई। घटना की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घंटों तक बारीकी से जांच-पड़ताल की और साक्ष्य जुटाए।

बंसत पंचमी पर किया जाएगा बाबा विश्वनाथ का तिलकोत्सव

होगी काशी के लोकउत्सव, तिलकोत्सव से रंगोत्सव तक की शुरूआत

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में बंसत पंचमी के अवसर पर हर वर्ष की तरह टेढ़ीनीम स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर के महंत आवास पर बाबा विश्वनाथ की पंचबदन प्रतिमा का परंपरानुसार तिलकोत्सव किया जाएगा।

परंपरानुसार महाशिवरात्रि के पुर्व बंसत पंचमी पर (शुक्रवार को) काशीवासियों द्वारा टेढ़ीनीम स्थित महंत आवास पर तिलकोत्सव किया जाएगा। इसी के साथ बाबा विश्वनाथ के सगुन से जुड़ी लोकपरंपरा की शुरूआत हो जाएगी जो रंगभरी-एकादशी पर गौरा के गौना तक चलेगी। शुक्रवार को बंसत पंचमी पर तिलकोत्सव के बाद महाशिवरात्री के दो दिन पूर्व बाबा विश्वनाथ की प्रतिमा को काशीवासियों द्वारा सगुन की हल्दी लगाई जायेगी।

बाबा विश्वनाथ से जुड़ी लोकपरंपराओं से आयोजन से संबंधित शिवाजंली के संयोजक संजीव रत्न मिश्र ने बताया शुक्रवार को बंसत पंचमी के अवसर पर सायंकाल तिलकोत्सव से पुर्व टेढ़ीनीम स्थित महंत आवास पर परिवार की वरिष्ठ श्रीमती मोहिनीदेवी के सानिध्य में अंकशास्त्री महंत वाचस्पती तिवारी बाबा की पंचबदन प्रतिमा का 11 वैदिक ब्रहमणों के साथ विशेष पुजन करने बाद विशेष श्रृंगार किया जाएगा। सायंकाल लग्नानुसार विश्वनाथ मंदिर में होने वाली सप्तर्षि आरती के पुर्व बाबा की प्रतिमा का परंपरानुसार काशीवासी वैदिक विधि-विधानपूर्वक तिलकोत्सव करेंगे।

सिप्ला ने जागरूकता फैलाने के लिये शुरू किया इनहेल द चेंज

पटना। सिप्ला ने इनहेल द चेंज शुरू किया है। यह बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन के साथ एक देशव्यापी जागरूकता पहल है। इसका मकसद इंसुलिन थेरेपी से जुड़ी भावना और व्यवहार संबंधी दिक्कतों को दूर करना है। डायबिटीज भारत की सबसे बड़ी जन स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक है। इसकी वजह से लोग लंबे समय तक बीमार रहते हैं और यह मौत का कारण भी बनता है। भारत में 10 करोड़ से ज्यादा लोग इस बीमारी से जूझ रहे हैं। इसलिए देश को अक्सर दुनिया की डायबिटीज राजधानी कहा जाता है। यह चिंता की बात है कि सिर्फ.27.5प्रतिशत लोगों को अपनी हालत के बारे में पता है और सिर्फ.7प्रतिशत लोगों का ब्लड शुगर कंट्रोल में है। यह संख्या न सिर्फ.चिकित्सीय चुनौती बताती है बल्कि उन मरीजों की रोज की मुश्किलें भी दिखाती हैं जो डर, बदनामी या अपनी स्थिति तथा इलाज के उपलब्ध विकल्पों को लेकर जागरूकता की कमी के कारण देरी करते हैं या इनका उपयोग छोड़ देते हैं। वास्तविक जीवन की इन बाधाओं को दूर करने की जरूरत पर जोर देते हुए, सलाहकार एंडोक्रिनोलॉजिस्ट डॉ. नीरज सिन्हा, ने कहा समय पर इंसुलिन लेना शुरू करना गेम-चेंजर हो सकता है,

पेंट एसोसिएशन ने सदस्यता प्रमाण पत्र वितरण किया

अध्यक्ष महामंत्री और कोषाध्यक्ष 2 वर्ष के लिए पुनः चयनित हुए

-अभिताश गुप्ता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पेंट एसोसिएशन जौनपुर द्वारा शहर के मध्य स्थित एक प्रतिष्ठित होटल में सदस्यों का सम्मान करते हुए सदस्यता प्रमाण पत्र वितरित किया गया। एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय कुमार गुप्ता ने सभी संरक्षक एवं सदस्यों का स्वागत करते हुए पिछले दो वर्ष के कार्यकाल के उपलब्धियां को बताया। कोषाध्यक्ष शुभम अग्रहरी ने दो वर्ष के कार्यकाल के आय और व्यय को सभी के सामने प्रस्तुत किया। इस मौके पर संरक्षक मंडल अमरनाथ गुप्ता, विनय मौर्य,ओमप्रकाश गुप्ता, राधेरमण जायसवाल और संस्था के सदस्यों को अध्यक्ष विजय गुप्ता महामंत्री शशांक जायसवाल कोषाध्यक्ष शुभम अग्रहरी द्वारा अंगवस्त्र के साथ माल्यार्पण करते हुए सदस्यता प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। संरक्षक अमरनाथ गुप्ता ने पूरी टीम को अच्छे कार्यकाल के लिए बधाई दिया। संरक्षक राधेरमण जायसवाल ने अपने उद्बोधन में संगठन के उद्देश्यो को पूर्ति में सभी सदस्यों को सार्थक सहयोग करने का आह्वान किया। संरक्षक गण के साथ सभी सदस्यों ने करतल ध्वनि के साथ सर्वसम्मति से इस टीम का कार्यकाल दो वर्ष के लिए और बढ़ाया गया। पूरे कार्यक्रम का सुंदर संचालन संस्था के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजय कुमार गुप्ता ने किया और आए सभी अतिथियों का शेरो-शायरी के माध्यम से स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सहकोषाध्यक्ष राहुल मौर्य, दीपचंद सोनकर, रवि अग्रहरि,संदीप सोनकर, अवधेश मौर्य, हरिओम गुप्ता, ज्ञानचंद, डब्बू राय, आशीष श्रीवास्तव, रवि गुप्ता, ऋषि साहू, अभिषेक गुप्ता, बाबूराम यादव, प्रमोद मौर्या, अमन, सुधीर मौर्य, त्रिभुवन यादव, अपूर्व, मुकेश विश्वकर्मा, भुवनिन्द्र यादव, आशीष श्रीवास्तव, एखलाक अहमद, रिकू, विजय सोनकर, महताब आलम, लोकेश यादव, आदि लोगों ने सहयोग किया उपस्थित सभी व्यापारियों का आभार महामंत्री शशांक जायसवाल ने व्यक्त किया।

चाइनीज मांझा और कोडीन सिरप माफिया को संरक्षण दे रही सरकार : अजय राय

डॉक्टर की मौत के बाद भी सरकार मौन, कांग्रेस का तीखा हमला

केराकत ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत केराकत के मोहल्ला शेखजादा निवासी डॉक्टर समीर हाश्मी पुत्र मुकीम हाश्मी की चाइनीज मांझे की चपेट में आने से हुई मौत के मामले में कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इस घटना के बाद कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर चाइनीज मांझे पर सख्त कार्रवाई और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग की थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम न उठाए जाने से कांग्रेस नेताओं में नाराजगी है। मंगलवार को केराकत में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अजय राय ने प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार दो नंबर के धंधों में लिप्त लोगों को संरक्षण दे रही है। अजय राय ने कहा कि चाहे चाइनीज मांझा बेचने वाले हों या कोडीन कफ सिरप का अवैध कारोबार करने वाले, सरकार सबकी मदद कर रही है। उन्होंने कहा कि जो लोग सरकार की जय-जयकार कर रहे हैं, उन्हें खुला संरक्षण दिया जा रहा है। कोडीन सिरप के मामले पर कटाक्ष करते हुए अजय राय ने कहा कि सिरप माफियाओं को आशीर्वाद दिया जा रहा है, जबकि आम जनता और निर्दोष लोग इसकी कीमत अपनी जान देकर चुका रहे हैं।

प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने डॉक्टर समीर हाश्मी के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और भरोसा दिलाया कि कांग्रेस पार्टी पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि न्याय दिलाने के लिए हर संभव मदद की जाएगी और सरकार से उचित मुआवजा, सख्त कार्रवाई व पूर्ण प्रतिबंध लागू कराने के लिए वे लगातार दबाव बनाएंगे।

इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का स्वागत किया और डॉक्टर समीर हाश्मी की मौत को लेकर गहरा आक्रोश जताते हुए चाइनीज मांझे पर पूर्ण प्रतिबंध और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

इस मौके पर जिला अध्यक्ष डाक्टर प्रमोद कुमार सिंह, जिला उपाध्यक्ष डाक्टर सन्तोष कुमार गिरी, निलेश सिंह सहप्रभारी केराकत, शेर बहादुर सिंह जिला उपाध्यक्ष, शिव मित्रा, विनय तिवारी जिला उपाध्यक्ष, प्रदेश सचिव पंकज सोनकर, मुन्तजिर हुसैन, ब्लाक अध्यक्ष केराकत नरेंद्र प्रताप, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष केराकत लालता चौधरी, ब्लाक अध्यक्ष डोभी सुभाष सिंह, सुशील सोनकर, खुर्शीद अहमद खान, वकील अन्सारी, सूर्यबली, अमजद खान, राम प्रवेश यादव, सुजीत पाल, सुनील कुमार मौर्य, अरूण शुक्ला, आरिफ सलमानी सेवा दल जिला अध्यक्ष, जब्बार सलमानी सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

महाराष्ट्र राज्य संस्कृत अकादमी द्वारा भाषा वैभव कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न

मुम्बई (उत्तरशक्ति)। सोमवार को महाराष्ट्र राज्य संस्कृत अकादमी एवं माध्यम फाउंडेशन, मुंबई के संयुक्त तत्वावधान में एस.पी.आर. जैन कन्याशाला, घाटकोपर (प.) में भाषा-वैभव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ध्यातव्य है कि सांस्कृतिक कार्य विभाग के द्वारा संस्कृत भाषा को साहित्य अकादमी में सम्मिलित किया गया है। इस कार्यक्रम में संस्कृत भाषा की विविध प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिसमें विद्यालय की छात्राओं ने पूरे उत्साह से भाग लिया और पारितोषिक भी प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि व महाराष्ट्र पुलिस के अतिरिक्त महासंचालक आईपीएस कृष्ण प्रकाश ने अपने उद्बोधन में कहा कि संस्कृत भाषा के बिना भारतीय सभ्यता व संस्कृति का अनुभव नहीं किया जा सकता। कार्यक्रम-अध्यक्ष आचार्य रामव्यास उपाध्याय ने बच्चों को संस्कृत भाषा में छंदों और उनके उच्चारण की विधियों के गुणों का उल्लेख करते हुए कहा कि, संस्कृत विश्व की सबसे प्राचीन और वैज्ञानिक भाषा है यह मृत नहीं अमृत भाषा है। इस अवसर पर एस.पी.आर. जैन कन्याशाला की मैनेजमेंट ट्रस्टी मीनाबेन खेतानी, मुम्बई गुजराती संगठन के फाउंडर ट्रस्टी श्री भावेशभाई मेहता, नव्य- व्याकरणाचार्य पं. दामोदर त्रिपाठी, चिन्मय मिशन से विराज सडेकर सहित भावेशभाई वोरा, भावना रमेश डोडिया, रमेश लालजी डोडिया, अभयभाई खेतानी एवं विद्यालय की प्राचार्या नंदाबेन ठक्कर की विशेष उपस्थिति रही। प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में कविता ठक्कर एवं मनीषा ठक्कर ने भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन एड.राजीव मिश्र एवं धन्यवाद ज्ञापन सौरभ शिंदे ने किया।

सरेराह रॉड-डंडों से हुआ हमला, दो युवक लहूलुहान

खेतासराय में बेलगाम अपराध, एक के बाद एक वारदात से दहशत लोग

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय थाना क्षेत्र में अपराध पूरी तरह बेलगाम होता नजर आ रहा है। चोरी, मारपीट और रहस्यमय मौतों की कड़ी थमने का नाम नहीं ले रही है। हालात ऐसे हैं कि आम लोग घर से निकलने में भी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। ताजा मामला मंगलवार सुबह का है, जब सरेराह दबंगों ने दो युवकों पर जानलेवा हमला कर इलाके में सनसनी फैला दी। मंगलवार की सुबह करीब 9:30 बजे तरसावा गांव निवासी प्रवीण कुमार राजभर उर्फ मोनू (35) पुत्र सिधारी राजभर अपने साथी राहुल राजभर (27) पुत्र लौटन राम राजभर को पीलिया की दवा पिलाने के लिए पारा कमाल जा रहे थे। जैसे ही दोनों युवक लुंबिनी-दुद्धी राष्ट्रीय राज्य मार्ग पर मनेछा मोड़ के पास पहुंचे, तभी पीछे से एक बाइक पर सवार तीन दबंग युवकों ने उन्हें घेर लिया। आरोप है कि बिना किसी विवाद के हमलावरों ने रॉड, सरिया और डंडों से ताबड़तोड़ हमला कर दोनों को लहूलुहान कर दिया। अचानक हुए इस हमले से सड़क पर अफरा-तफरी मच गई। चीख-पुकार सुनकर राहगीर मौके पर जुटने लगे। लोगों को आता देख हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही डायल 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सोंधी ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। गौरतलब है कि खेतासराय थाना क्षेत्र में यह कोई पहली घटना नहीं है। नदौली गांव में चोरी की घटना और बर्जी गांव में डॉक्टर सुनील राजभर की संदिग्ध मौत हत्या और आत्महत्या के बीच उलझी हुई है, जिसका अब तक खुलासा नहीं हो सका। इसके बाद जमदहा नाले में अज्ञात शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया था। वहीं कुछ दिन पूर्व खेतासराय कस्बे में ही एक टाइल्स व्यवसाई को दुकान बंद कर घर लौटते समय नौली क्षेत्र में बाइक सवार बदमाशों ने मारपीट कर मरणासन्न कर दिया था लेकिन उस मामले में भी पुलिस आज तक खाली हाथ है। लगातार हो रही इन घटनाओं से क्षेत्रीय लोगों में भय और आक्रोश व्याप्त है। लोगों का कहना है कि अपराधियों में पुलिस का कोई खौफ नहीं रह गया है। स्थानीय नागरिकों ने रात्रि और दिवस गश्त बढ़ाने तथा अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। वहीं पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा, लेकिन सवाल यह है कि आखिर कब तक अपराधी यूं ही सरेराह कानून को चुनौती देते रहेंगे।

मणिपाल हॉस्पिटल मुकुंदपुर में रीढ़ की सफल सर्जरी, दो ज़िंदगियाँ बदलीं

मुंबई/कोलकाता। पूर्वी भारत के प्रमुख स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं में से एक, मणिपाल हॉस्पिटल्स ग्रुप की इकाई मणिपाल हॉस्पिटल, मुकुंदपुर ने लगातार दो जटिल रीढ़ की हड्डी की सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी की। इन सर्जरी के जरिए एक किशोरी और एक बुजुर्ग महिला की चलने-फिरने की क्षमता और जीवन की गुणवत्ता को फिर से बेहतर बनाया गया। यह इलाज डॉ. अनिंद्य बसु, सीनियर कंसल्टेंट एवं क्लिनिकल लीड-स्पाइन सर्जरी, मणिपाल हॉस्पिटल मुकुंदपुर की देखरेख में किया गया। इन दो मामलों में एक थीं ६७ वर्ष की सीमा डे (नाम परिवर्तित), जो लंबे समय से तेज रीढ़ दर्द से पीड़ित थीं, और दूसरी थीं १४ वर्ष की आरशिया अहमद (नाम परिवर्तित), जिन्हें रीढ़ की हड्डी की टीबी हो गई थी। इस बीमारी के कारण उन्हें गंभीर न्यूरोलॉजिकल समस्या हो गई थी, जिससे उनकी चलने-फिरने की क्षमता बहुत सीमित हो गई थी और रोजमर्रा के साधारण काम भी मुश्किल हो गए थे। उन्नत सर्जरी तकनीक, समय पर इलाज और बहुविषयक चिकित्सा पद्धति से दोनों मरीजों को लाभ मिला। पहली मरीज सीमा डे, कोलकाता की रहने वाली एक गृहिणी हैं। वे कई महीनों से तेज कमर दर्द और पैरों में फैलने वाले दर्द से परेशान थीं। जांच में पता चला कि नसों पर दबाव पड़ने के कारण उन्हें यह दर्द हो रहा था, जिससे उनकी रोजमर्रा की ज़िंदगी बहुत प्रभावित हो गई थी। वे लगातार पाँच मिनट से ज्यादा चल भी नहीं पा रही थीं। इसके बाद उनकी मिनिमली इनवेसिव कीहोल ट्यूबुलर लम्बर फ्यूजन सर्जरी की गई, जो कम टिश्यू नुकसान के साथ रीढ़ को स्थिर करती है। अस्पताल की उन्नत सुविधाओं और सर्जिकल विशेषज्ञता के कारण सर्जरी सफल रही। सर्जरी के अगले ही दिन उन्हें चलाया गया और कुछ ही दिनों में वे अस्पताल से छुट्टी लेकर बिना दर्द के अपने पैरों पर चलने लगीं। दूसरा मामला कोलकाता के टॉपसिया की रहने वाली, नौवीं कक्षा की छात्रा आरशिया अहमद का था। उन्हें दोनों पैरों में अत्यधिक कमजोरी थी और वे खुद से ठीक से खड़ी होने या चलने में पूरी तरह असमर्थ थीं। मेडिकल इमेजिंग में पता चला कि उन्हें रीढ़ की हड्डी की टीबी है, जिससे हड्डियाँ बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थीं और जमा हुआ पस स्पाइनल कॉर्ड पर दबाव डाल रहा था।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण को लेकर बीएलओ व सुपरवाइजरों को मिला प्रशिक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में चल रहे गहन विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को तहसील मछलीशहर के सभागार में बीएलओ और सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी डा. दिनेश चन्द्र ने की। जिलाधिकारी ने कहा कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण एक अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है, जिसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। उन्होंने सभी कार्मिकों से प्रशिक्षण को गंभीरता से लेने और आयोग के निर्देशों का अक्षरशः पालन करने को कहा। बताया कि आलेख्य मतदाता सूची का प्रकाशन हो चुका है तथा दावे और आपत्तियां प्राप्त की जा रही हैं। प्रशिक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा फार्म-6, फार्म-7 एवं फार्म-8 भरने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 01 जनवरी 2026 के साथ-साथ 01 अप्रैल, 01 जुलाई एवं 01 अक्टूबर 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले योग्य मतदाताओं के फार्म-6 अनिवार्य रूप से भरवाए जाएं तथा उनके घोषणा पत्र भी अवश्य लिए जाएं। साथ ही प्राप्त सभी फार्मों को शीघ्र अपलोड करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने अनमैप्ड मतदाताओं को नोटिस जारी करने की पूरी प्रक्रिया की भी जानकारी दी। इसके अतिरिक्त उन्होंने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य के साथ-साथ डिजिटल क्रॉप सर्वे, फार्मर रजिस्ट्री एवं राजस्व से जुड़े अन्य कार्यों को भी समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर ईआरओ मछलीशहर सौरभ कुमार, खंड विकास अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

एसपी ने की जनसुनवाई, फरियादियों की समस्याएं सुन समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर डॉ० कौस्तुभ द्वारा मंगलवार को पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई के दौरान जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता से सुना गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने प्राप्त शिकायतों के शीघ्र, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनसुनवाई का उद्देश्य आमजन को त्वरित न्याय दिलाना है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत की निष्पक्ष जांच कर पीड़ित को समय से राहत पहुंचाई जाए, ताकि आमजन का पुलिस पर विश्वास और मजबूत हो सके। जनसुनवाई के दौरान पुलिस कार्यालय में अनुशासन एवं सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम रहे।

यूनियन बैंक खेतासराय के कैशियर पर खाताधारकों से दुर्व्यवहार का आरोप

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की खेतासराय शाखा में तैनात कैशियर की कार्यशैली को लेकर खाताधारकों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। आरोप है कि कैशियर ग्राहकों से अभद्र व्यवहार करते हुए बैंक में रकम जमा करने के बजाय उन्हें बाहर स्थित निजी केंद्रों पर भेज देते हैं। इतना ही नहीं, बैंक में जमा होने वाली रकम की ऑनलाइन फीडिंग भी समय से न कर देर शाम की जाती है, जिससे खाताधारकों को लेनदेन संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय खाताधारकों का कहना है कि यह कोई एक दिन की घटना नहीं है, बल्कि कैशियर द्वारा रोजाना इसी तरह का व्यवहार किया जा रहा है। इससे बैंक की छवि भी प्रभावित हो रही है।

बुधवार को नगर पंचायत खेतासराय निवासी प्रबुद्ध नागरिक डॉ. चंद्रजीत मौर्य बैंक में बड़ी रकम जमा करने पहुंचे थे। करीब एक घंटे तक लाइन में खड़े रहने के बाद जब उन्होंने कैशियर से रकम जमा करने की बात कही तो कैशियर गौरव श्रीवास्तव ने उन्हें बाहर खुले केंद्र पर जाकर पैसा जमा करने को कहा। डॉ. मौर्य ने सुरक्षा और बैंक की जिम्मेदारी का हवाला देते हुए बैंक के भीतर ही पैसा जमा करने की बात कही, जिस पर कैशियर कथित रूप से आपा खो बैठे और जोर-जोर से चिल्लाने लगे। कैशियर के इस व्यवहार का बैंक में मौजूद अन्य खाताधारकों ने भी विरोध किया। पूर्व ग्राम प्रधान मंतलाल पप्पू और चंद्रप्रकाश मौर्य ने कहा कि वे बैंक में ही पैसा जमा करेंगे, बाहर नहीं। बावजूद इसके कैशियर ने उनकी रकम लेने से इनकार कर दिया, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया।

विवाद बढ़ने पर बैंक के अन्य कर्मचारियों ने हस्तक्षेप कर कैशियर को समझाया, जिसके बाद बड़े खाताधारकों की रकम शाखा में ही जमा की गई। देर शाम जब शाखा प्रबंधक नईम सिद्दीकी बैंक पहुंचे तो खाताधारकों ने उनसे पूरे मामले की शिकायत की। इस पर शाखा प्रबंधक ने कैशियर को समझाने की बात कही।

जांच के बाद होगी कार्रवाई: रीजनल हेड

जौनपुर। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की खेतासराय शाखा के कैशियर द्वारा खाताधारकों से दुर्व्यवहार किए जाने की शिकायत रीजनल हेड संतोष कुमार से लिखित रूप में की गई है। रीजनल हेड ने कहा कि यदि कोई खाताधारक बैंक शाखा में आता है तो उसकी रकम शाखा में ही जमा की जाएगी, उसे बाहर भेजना नियमों के विरुद्ध है। यह गंभीर मामला है। खाताधारकों से मधुर व्यवहार बैंक की प्राथमिक जिम्मेदारी है। जांच के बाद दोषी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

नागरिक सुरक्षा बल ने किया ब्लैकआउट रिहर्सल का अभ्यास, आपदा प्रबंधन में दी प्रशिक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नागरिक सुरक्षा बल के अधीन आगामी 23 जनवरी को होने वाले ब्लैकआउट को लेकर पुलिस लाइन के मैदान में मंगलवार को रिहर्सल अभ्यास आयोजित किया गया। इस अभ्यास का उद्देश्य नागरिकों को किसी भी आपदा–हवाई हमला, आग, बाढ़ या भूकंप–के समय त्वरित और सुरक्षित ढंग से बचाव एवं सुरक्षा के उपायों के बारे में प्रशिक्षित करना था। अभ्यास का नेतृत्व चीफ वार्डेन मनोज वत्स ने किया, जबकि सिटी मजिस्ट्रेट इंद्रानंदन सिंह और क्षेत्राधिकारी नगर गोल्डी गुप्ता ने कार्यक्रम की देखरेख की। रिहर्सल में नागरिक सुरक्षा बल से जुड़े सभी वालंटियरों को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इस मौके पर पूर्व डिप्टी कंट्रोलर शमशीर हसन ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि किसी भी आपदा के समय किस तरह की सावधानी बरतनी चाहिए और नागरिकों की रक्षा कैसे सुनिश्चित की जा सकती है। अभ्यास में क्षेत्राधिकारी सदर देवेश सिंह, फायर टीम, मेडिकल टीम, रेस्क्यू टीम और एक आर्मी दल भी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर आपदा प्रबंधन के मानक संचालन प्रक्रियाओं को अमल में लाने का प्रशिक्षण लिया। नागरिक सुरक्षा बल के अनुसार यह अभ्यास सभी वालंटियरों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण था ताकि आगामी ब्लैकआउट के समय हर टीम और हर सदस्य आपात स्थिति में प्रभावी ढंग से कार्य कर सके। उक्त अवसर पर नागरिक सुरक्षा बल टीम एवं जौनपुर पुलिस के लोगों में मौजूद रहें। इम्तियाज अहमद सिद्दीकी, मोहित श्रीवास्तव, रियाजुल हक, आबिश इमाम सनी, सुशील मिश्रा, आदि लोग मौजूद रहे।

इंदौर के भवन निमार्ता सुमित नरेंद्र तिवारी ने उत्तरशक्ति कलेंडर का किया विमोचन

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर अन्नपूर्णा नगर 20 जनवरी 2026 को श्री डेवलपर एंड रियल एस्टेट कंपनी के डायरेक्टर सुमित नरेंद्र तिवारी के द्वारा दैनिक उत्तरशक्ति दिनदर्शिका कलेंडर का विमोचन सुमित नरेंद्र तिवारी के कर कमलों द्वारा किया गया। उस शुभ अवसर पर बायें से दैनिक उत्तरशक्ति के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा , चीफ ब्यूरो प्रणीत तिवारी , भवन निमार्ता सुमित नरेंद्र तिवारी, गजेन्द्र दुबे, विशाल पाठक, दिपेश पाण्डेय, दीपक ठाकुर, व्यवसायी राजा अरोड़ा, हितेश वाजपेई, आनंद वर्मा, बब्लू चौहान , वरिष्ठ पत्रकार अरविंद त्रिवेदी , अभिषेक , बबलू शर्मा, वैभव शुक्ला, रजनीश वर्मा, अजय भट्ट , परीक्षित तिवारी, गोपाल मांधन्या, नरेश राजानी, प्रणय तिवारी, विकास जैन सुनम्र तिवारी मयुर सोनानी, अमित सिंह उपस्थित थे।

वर्ली वॉल्वज रनर अप एवं सर्जरी सुपरस्टार ने सिद्धाचल क्रिकेट कार्निवल ट्रॉफी अपने नाम की

मुंबई(उत्तरशक्ति)। गत रविवार को सेबेस्टियन हाई स्कूल टर्म चेंबूर मुंबई महाराष्ट्र में सिद्धाचल हॉस्पिटल द्वारा आल डॉक्टर्स मुंबई टूनार्मेंट का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 400 डॉक्टरों ने भाग लिया। महिला टीम एवं पुरुष टीम सब मिलाकर 25 टीमों ने भाग लिया। जिसमें कप्तान डॉ लकीन वीरा एवं उपकप्तान जेनम मेहता की अगुवाई में सर्जरी सुपरस्टार की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर चमचमाती हुई ट्रॉफी अपने नाम कर लिया। सुपर स्टार के कप्तान और ओनर ने अपने टीम और सिद्धाचल टीम को बहुत-बहुत धन्यवाद दिया। वर्ली वॉल्वज टीम दूसरे स्थान पर रही। सिद्धाचल हॉस्पिटल की टीम ने मुंबई के सबसे बड़े डॉक्टर्स टूनार्मेंट में सभी डॉक्टरों को भाग लेना एक अद्भुत अनुभव रहा। सभी डॉक्टर खिलाड़ियों टीम मालिकों को और कप्तानों को बहुत-बहुत धन्यवाद दिया कि आपकी टीम के नेतृत्व प्रतिबद्धता और खेल भावना ने आज के कार्निवल को एक भव्य समारोह बनाने में सफलतापूर्वक योगदान रहा। मुख्य रूप से सिद्धाचल हॉस्पिटल आयोजन करता में डॉ किशोर मेहता, डॉ योगेश बाफना, डॉ अनिल ,डॉ प्रदम्या, फते सिंह एवं उनकी पूरी टीम ने शानदार क्रिकेट आयोजन किया। सुपर स्टार चैंपियन की टीम में, कप्तान डॉ लकीन वीरा, उप कप्तान डॉ जेनम मेहता, डॉ प्रीतम जैन, डॉ राहुल सतीया, डॉ तरुण जैन, डॉ जयेश जैन, डॉ सचिन जैन, डॉ सिद्धार्थ कटकड़े, डॉ हर्षित दोशी, डॉ मितेश रजावत, डॉ प्रतिक दोषी, डॉ दिनेश वीरा, ने सभी डॉक्टर्स खिलाड़ियों का जमकर तारीफ की खाना चाय नाश्ता शरबत आइसक्रीम स्नेक्स इत्यादि अनलिमिटेड पूरा दिन चलता रहा।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 10 वर्ष की कैद, दूसरे आरोपी को अपहरण में 4 वर्ष की कैद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय रूपाली सक्सेना की अदालत ने मीरगंज थाना क्षेत्र निवासी नाबालिग लड़की का अपहरण व दुष्कर्म करने के आरोपी भोला सिंह को 10 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 13,000 रुपए अर्थदंड तथा अपहरण व पाक्सो एक्ट के आरोपी मंगला सिंह को 4 वर्ष के कठोर कारावास व 8000 रुपए अर्थदंड से दंडित किया।

अभियोजन कथानक के अनुसार मीरगंज थाना क्षेत्र निवासी पीड़िता की मां ने मुकदमा पंजीकृत करवाया कि 7 अक्टूबर 2017 को 8:00 बजे 15 वर्षीय पुत्री को खाना बनाने को कहा तब उसने मना किया। थोड़ी देर बाद जेठ ने बताया कि पीड़िता पैदल ही जंघई की तरफ गई है। रात भर घर नहीं आई। लड़की रिश्तेदार के यहां पहुंची। फोन से सूचना मिलने पर वादिनी वहां गई तो पीड़िता ने बताया कि वह सड़क पकड़ कर जा रही थी। रास्ते में मोटरसाइकिल से मंगला सिंह मिले और उसे बैठा कर जंघई की तरफ जाने लगे। रास्ते में उसके साथ बुरा काम किया। फिर जंघई रेलवे फाटक के पास लेकर गए। वहां भोला सिंह पीड़िता को मोटरसाइकिल से लेकर चले गए। रेलवे स्टेशन के आगे नदी के किनारे ले जाकर भोला ने पीड़िता के साथ दुराचार किया और पीड़िता को छोड़कर चला गया। वह रिश्तेदार के घर पहुंची, वहां जाकर वादिनी पीड़िता को लेकर घर आई। पुलिस ने विवेचना करके आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। शासकीय अधिवक्ता वेद प्रकाश तिवारी व रमेश चंद्रपाल के द्वारा परीक्षित कराए गए गवाहों के बयान एवं पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के परिशीलन के पश्चात अदालत ने दोनों आरोपियों को उक्त दंड से दंडित किया।

प्रोत्साहन से राजस्व तक: कैसे एमजंक्शन लॉयल्टी प्रोग्राम्स को व्यापार के विकास इंजन में बदल रहा है

मुंबई/कोलकाता।18वीं सदी के उत्तरार्ध में, व्यापारी और रिटेलर्स प्रीमियम खरीदारों को तांबे के सिक्कों से पुरस्कृत किया करते थे, जिन्हें बाद में स्टैम्प्स ने प्रतिस्थापित किया। ये दोहराव वाली खरीद को बढ़ावा देने के लिए लॉयल्टी के शुरूआती रूप थे। समय के साथ, ग्राहक बनाए रखने और अधिग्रहण लागत को कम करने के लिए ईंट-पत्थर के रिटेल और ई-कॉमर्स दोनों में लॉयल्टी प्रोग्राम आम हो गए। लेकिन आज, लॉयल्टी एक कहीं अधिक बुनियादी बदलाव के दौर से गुजर रही है। मारटेक और बढ़ती पार्टनर अपेक्षाओं के युग में, लॉयल्टी प्रोग्राम अब केवल पॉइंट्स और डिस्काउंट तक सीमित नहीं रह गए हैं, बल्कि विशेष रूप से जटिल B2B इकोसिस्टम में, रणनीतिक विकास इंजन के रूप में उभर रहे हैं। एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड में यह परिवर्तन एक दशक से अधिक की गहरी डोमेन विशेषज्ञता पर आधारित है। IT-सक्षम चैनल और इन्फ्लुएंसर लॉयल्टी प्रोग्राम्स को डिजाइन करने, लागू करने और प्रबंधित करने के 12 वर्षों से अधिक के अनुभव के साथ, एमजंक्शन ने भारत की अग्रणी बिल्डिंग मटीरियल कंपनियों के साथ साझेदारी की है। कंपनी पिछले 10 वर्षों से प्रमुख सीमेंट ब्रांड्स के लिए बड़े पैमाने पर लॉयल्टी प्रोग्राम्स का प्रबंधन कर रही है, जिनमें डीलर्स, रिटेलर्स और इन्फ्लुएंसर्स की सक्रिय भागीदारी रही है, और हर साल 15 लाख से अधिक लाभार्थियों के लिए कई करोड़ रुपये के रिवार्ड फुलफिलमेंट का संचालन किया गया है। एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, के. सेंथिलनाथन ने कहा, जो कंपनियाँ लॉयल्टी को एक इंटेलिजेंस-आधारित एंगेजमेंट फ्रेमवर्क के रूप में परिभाषित कर रही हैं, वे पहले ही मापनीय परिणाम देख रही हैं। भारतीय B2B लॉयल्टी बाजार, जिसका मूल्य 2023 में 3.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, अगले एक दशक में 15.7 प्रतिशत की CAGR से बढ़ने की उम्मीद है।

मनराज प्रतिष्ठान द्वारा स्व. शीला राजन नाथाणी की जयंती पर निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन

मुंबई। सेवा ही धर्म है, मनराज प्रतिष्ठान की ओर से स्वर्गीय शीला राजन नाथाणी की जयंती के शुभ अवसर पर गत दिवस मुंबई के कुर्ला क्षेत्र में एक विशाल निःशुल्क मेडिकल कैंप का सफल आयोजन किया गया। इस जनसेवा कार्यक्रम का उद्देश्य आम नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराना था।

मेडिकल कैंप में विभिन्न स्वास्थ्य जांच स्टॉल लगाए गए थे, जिनमें डायबिटीज चेकअप, कोलेस्ट्रॉल जांच, थायरॉइड टेस्ट, डेंटल चेकअप, ईसीजी, आई चेकअप सहित अन्य आवश्यक जांच सेवाएँ शामिल रहीं। इसके साथ ही मरीजों को निःशुल्क दवाइयाँ भी वितरित की गईं। विशेष रूप से, महात्मा ज्योतिबा फुले जन आरोग्य योजना के अंतर्गत पात्र मरीजों को निःशुल्क सर्जरी सुविधा की जानकारी व सेवा भी उपलब्ध कराई गई। मनराज प्रतिष्ठान के अध्यक्ष मनोज नाथाणी ने कहा कि संस्था सदैव समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्य निरंतर जारी रहेंगे। इस अवसर पर समाजसेवक एवं समाजसेविकाएँ सुखबिंदर सिंह (लाला भाई), श्रद्धा गोरगे, राजेश गुप्ता, चेतन अग्रवाल, अशोक रावत सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने इस निःशुल्क मेडिकल कैंप का लाभ उठाया। कैंप में आए सभी डॉक्टरों, अतिथियों एवं जांच कराने आए नागरिकों के लिए भोजन व्यवस्था भी की गई थी, जिसकी सभी ने सराहना की। यह कार्यक्रम मनराज प्रतिष्ठान की समाजसेवा की भावना और जनकल्याण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण रहा।

नवनिर्वाचित नगरसेवक सुधा सिंह का हुआ सत्कार

मुंबई। मनपा वार्ड क्रमांक-69 से नवनिर्वाचित भाजपा नगरसेवक सुधा सिंह का प्रसिद्ध नेत्र सर्जन डॉ. अशोक टंडन ने अंधेरी (पश्चिम) के जेपी रोड, मनीषनगर स्थित अडानी इंस्पायर में सम्मान समारोह आयोजित कर सत्कार किया। इस दौरान सत्कारमूर्ति सुधा सिंह ने कहा कि जनता के प्यार और आशीर्वाद के कारण ही उन्हें यह सफलता मिली है। उन्होंने बताया कि वार्ड-69 से हुए मनपा चुनाव में उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी उभाटा प्रत्याशी को 4,615 मतों के बड़े अंतर से पराजित किया। सुधा सिंह ने अपने राजनीतिक सफर का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने पहला मनपा चुनाव वर्ष 2017 में वार्ड क्रमांक-67 से भाजपा के चुनाव निशान से लड़ा था, जिसमें वे विजयी रहीं। चुनाव जीतने के बाद किए गए विकास कार्यों की जानकारी देते हुए सुधा सिंह ने बताया कि वार्ड-67 स्थित जुहू कैफे, आजमी गार्डन में ग्रिल लगवाने और कुर्सियों की मरम्मत कराई गई। इसके साथ ही गिल्बर्ट हिल और भवंस कॉलेज क्षेत्र में नालियों और गटरों के मरम्मत व लादीकरण का कार्य कराया गया। गणेशनगर, जुनैदनगर, खजूरवाड़ी और समतानगर सहित सभी बस्तियों में बिजली, पानी, सड़क और शौचालय आदि जैसी बुनियादी जनसमस्याओं के समाधान को प्राथमिकता दी गई। आयोजक डॉ. अशोक टंडन ने बताया कि नवनिर्वाचित नगरसेवक सुधा सिंह से उनका पारिवारिक संबंध है। उन्हें जैसे ही यह जानकारी मिली कि सुधा सिंह चुनाव जीत गईं हैं तो अपार खुशी हुई। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि सुधा सिंह को जनहित के कार्यों को पूरी निष्ठा और शक्ति के साथ करने का सामर्थ्य प्रदान करें। इस अवसर पर सीमा टंडन, डा. राशि, डा. आयुष टंडन और चेतन मालाडकर सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

संजीवनी ने पिंक टैग प्रोजेक्ट शुरू किया

पटना। फेडरल बैंक हॉरमिस मेमोरियल फाउंडेशन, न्यूज18 नेटवर्क और नॉलेज पार्टनर टाटा ट्रस्ट्स द्वारा शुरू की गई परिवर्तनकारी पहल - संजीवनी - यूनाइटेड अगेंस्ट कैंसर के तीसरे संस्करण में द पिंक टैग प्रोजेक्ट लॉन्च किया गया है। यह एक अनोखी और असरदार व्यवहार परिवर्तन पहल है, जो महिलाओं तक उनके सबसे निजी और व्यक्तिगत पलों में पहुंचती है और उन्हें यह याद दिलाती है कि अपनी देखभाल कोई विलासिता नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा लिए जरूरी है। इस पहल पर बात करते हुए फेडरल बैंक के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर एम वी एस मूर्ति ने कहा कि फेडरल बैंक हॉरमिस मेमोरियल फाउंडेशन में हमारा मानना है कि असली बदलाव बडे और दिखावटी अभियानों से नहीं आता। बदलाव उन प्रयासों से आता है जो धीरे से, लगातार और संवेदनशीलता के साथ लोगों तक पहुंचते हैं। पिंक टैग प्रोजेक्ट व्यवहार आधारित डिजाइन की ताकत को दिखाता है। न्यूज18 स्टूडियोज के सीओओ सिद्धार्थ सैनी ने बताया कि नेटवर्क18 के लिए पहुंच महत्वपूर्ण है, लेकिन भागीदारी उससे भी ज्यादा जरूरी है।

आजमगढ़ में उत्तर यादव युवा संघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्रधारी यादव का जन्मदिन मनाया गया

आजमगढ़। पिडिये, आजमगढ़ (उत्तर प्रदेश) में उत्तर यादव युवा संघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्रधारी यादव का जन्मदिन बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आजमगढ़ सांसद माननीय धर्मेंद्र यादव के प्रतिनिधि विपिन यादव ने पुष्पगुच्छ भेंट कर केक काटा और मिठाई खिलाकर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में एडवोकेट हरविंदर यादव, ओमकार यादव, विनोद यादव, असमल पुरी (महासचिव, उत्तर यादव युवा संघ) सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्रधारी यादव को जन्मदिन की बधाइयाँ देते हुए उनके दीघार्यु और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विपिन यादव ने कहा कि आप इसी प्रकार संस्था के माध्यम से समाज के उत्थान के लिए कार्य करते रहें। जितनी अधिक सेवा आप समाज के लिए करेंगे, उतना ही आपका नाम समाज में रोशन होगा। आपकी वाणी में मां सरस्वती का वास हो और हमारे इष्ट देवता भगवान श्रीकृष्ण की कृपा आप एवं आपके परिवार पर सदैव बनी रहे।